सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 175 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 09 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

बंगाल में पीएम ने दी छह गारंटी, 'सबका साथ, सबका विकास और लुटेरों का हिसाब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राज्य में तीन बड़ी चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सामान्य नहीं, बल्कि बंगाल के गौरव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है। पीएम ने कहा कि बंगाल की जनता इस बार के चुनाव में ममता सरकार को हटाने वाली है। पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास नारे को दोहराते हुए कहा कि सबका हिसाब लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह चुनाव विकसित बंगाल की मजबूत नींव रखने का चुनाव है और इसका पहला तथा सबसे अहम कदम इस निर्दयी सरकार को सत्ता से बाहर करना होगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर राज्य के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया।

ट्रंप की ईरान को नई धमकी, 'पूर्ण समझौते तक होर्मुज के आसपास अमेरिकी सेना रहेगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि जब तक 'असली समझौता' पूरी तरह से लागू नहीं हो जाता, तब तक अमेरिकी सेना और उसके घातक हथियार ईरान को घेरे रखेंगे। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि ईरान ने अपने वादे को तोड़ा, तो इसके परिणाम बहुत गंभीर होंगे। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में एक अस्थायी सीजफायर की घोषणा के बाद एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी है कि अगर यह समझौता टूटता है, तो ईरान के खिलाफ पहले से कहीं अधिक घातक कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरों से भरी पिकअप पलटी

बीजापुर। जिले के भोपालपटनम से लगे महाराष्ट्र के सोमनपल्ली क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। काम की तलाश में पलायन कर रहे मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में करीब 12 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, जिले के भोपालपटनम इलाके से मजदूर काम की तलाश में पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गुरुवार सुबह सोमनपल्ली के पास पिकअप वाहन चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया, जिससे वाहन सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

मास्टर ब्लास्टर सचिन की फैमिली पहुंची छत्तीसगढ़ के अचानकमार, दो दिन बैगा गांवों में घूमते रहे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। क्रिकेटर भारत रत्न सचिन तेंदुलकर का परिवार दो दिन छत्तीसगढ़ के प्रवास पर रहा। मंगलवार और बुधवार को सचिन की पत्नी डॉ. अंजलि तेंदुलकर, बेटी सारा तेंदुलकर और बहु सानिया चंडोक तेंदुलकर ने मुंगेली जिले के अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) क्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्रामों का दौरा किया। इस दो दिवसीय गोपनीय दौरे में तेंदुलकर परिवार ने आदिवासी बैगा परिवारों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन द्वारा वित्तीय पोषित जन स्वास्थ्य सहयोग (गनियारी) संस्था के कार्यों का अवलोकन किया। मंगलवार को टीम सबसे पहले एटीआर के ग्राम बम्हनी, लमनी और छपरवा पहुंची।

सचिन तेंदुलकर पत्नी अंजलि, बेटी सारा व बहू सानिया सुदूर गांवों का किया भ्रमण, लोगों से मिले, बच्चों को दुलारा

गनियारी अस्पताल का भी किया दौरा

बुधवार को दौरे के दूसरे दिन तेंदुलकर परिवार बिलासपुर के निकट गनियारी स्थित जन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। यहां उन्होंने अस्पताल की सुविधाओं का निरीक्षण किया और वहां कार्यरत डॉक्टरों व नर्सों के साथ एक गोपनीय बैठक की। बैठक में आगामी स्वास्थ्य योजनाओं और सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा की गई। दो दिवसीय प्रवास के बाद बुधवार शाम को टीम मुंबई के लिए रवाना हो गई।

तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान असम व पुडुचेरी में दिखा मतदाताओं में उत्साह

दोपहर एक बजे तक असम में लगभग 45 प्रतिशत, केरलम में 40 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 44 प्रतिशत मतदान

नईदिल्ली। देश के तीन राज्यों असम, केरलम और पुडुचेरी में आज विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में वोटिंग चल रही है। कुल 296 सीटों पर मतदान हो रहा है। दोपहर एक बजे तक असम में लगभग 45 प्रतिशत, केरलम में 40 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 44 प्रतिशत मतदान हुआ है। इधर इस चुनाव में सबसे बड़ा आकर्षण एआई रोबोट है जिसे पुडुचेरी के एक मतदान केन्द्र में रखा गया जो लोगों का स्वागत कर रही है।

बता दें असम में 126 सीट पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। तीनों राज्यों में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स पहली बार मतदान करेंगे। तीनों

ही राज्यों में शांति से मतदान जारी है। पुडुचेरी के सीएम रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक मोटरसाइकिल से पहुंचे। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने भी सुबह-सुबह मतदान किया। असम के सीएम हिमंता ने गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की है।

मतदान केंद्र पर एआई रोबोट नीला से स्वागत

पुडुचेरी। विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान पुदुचेरी में मतदाताओं का स्वागत एक अनोखे और हाई-टेक अंदाज में हो रहा है। यहां के वीओसी सरकारी स्कूल में वोट डालने आ रहे मतदाताओं का स्वागत 'नीला' नाम की एक रोबोट कर रही है। यह रोबोट मतदान केंद्र पर आने वाले हर व्यक्ति का अभिवादन कर रही है।

रोबो मिरर कंपनी के कौशिक ने इस रोबोट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नीला एक इवेंट-आधारित रोबोट है। इसे खास तौर पर शादियों, दफ्तरों के काम और चुनावों जैसे मौकों के लिए तैयार किया गया है। यह रोबोट कोयंबटूर से यहां लाई गई है। नीला रोबोट में कई आधुनिक खूबियां मौजूद हैं। इसमें वॉयस फीचर लगा है, जिसकी मदद से यह खुद बात कर सकती है। इसमें पहले से निर्देश (कमांड)

फीड किए जाते हैं, जिससे यह पास खड़े लोगों को सुनाई देने वाली आवाज में बात करती है। तस्वीरों में नीला रोबोट पारंपरिक कपड़ों में सजी नजर आ रही है। उसके हाथ में फूलों की एक थाली है, जिससे वह मतदाताओं का स्वागत कर रही है। चुनाव में तकनीक का यह इस्तेमाल लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस हाई-टेक स्वागत को देखकर मतदान करने आए लोग काफी उत्साहित हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर पीएम ने की सभी दलों से समर्थन की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस महत्वपूर्ण पहल का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि यह किसी एक दल या सरकार का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का विषय है और इसे सामूहिक संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वहीं छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने इस अधिनियम का स्वागत किया है।

पीएम मोदी ने अपने वीडियो संदेश में इस अधिनियम को लेकर कहा है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से न केवल चर्चा समृद्ध होती है, बल्कि शासन की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, संतुलित और जवाबदेह बनाता है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्षों से महिला आरक्षण को लेकर प्रयास होते रहे हैं, लेकिन यह कानून के रूप में लागू नहीं हो पाया। उन्होंने सितंबर 2023 में पारित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा

कि अब इसे लागू करने का समय आ गया है, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव और भविष्य के विधानसभा चुनावों में इसका लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री साय ने किया स्वागत

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत किया जा रहा है। इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का मार्ग प्रशस्त होगा। हम इसका स्वागत करते हैं।

रायपुर में धर्मांतरण का दबाव, पीड़ितों ने सुनाई आपबीती, शिकायत दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का खेल जारी है। इस तरह के मामले लगातार आने के बाद भी थम नहीं रहे हैं। अब प्रदेश की राजधानी रायपुर के मोतीबाग स्थित सालेम इंग्लिश स्कूल में हिंदू कर्मचारियों पर धर्मांतरण करने का दबाव बनाने का आरोप लगा है। उन्हें हिंदू से ईसाई बनने के लिये दबाव डाला जा रहा है। सैलरी नहीं दी जा रही है। इतना ही नहीं पीएफ का पैसा भी रोक दिया गया है। इससे परेशान पीड़ितों ने सिविल लाइन थाना और आदिवासी थाना बूढ़ापारा में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है।

सालेम स्कूल में आया-बाई का काम करने वाली कुछ महिलाएं अपनी शिकायत को लेकर घर वापसी अभियान से जुड़े प्रमुख प्रबल प्रताप सिंह जूदेव के निवास पर पहुंचीं और अपनी व्यथा सुनाई। इस मामले में प्रभारी प्राचार्य रुपिका लॉरेंस और छत्तीसगढ़ डायसिस ऑफ बोर्ड एजुकेशन के वाइस प्रेसिडेंट नीतिन लॉरेंस इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि सारे आरोप मनगढ़ंत और बेबुनियाद हैं। ऐसे लोगों को नोटिस भेजा जा रहा है। मामले में एफआईआर भी दर्ज कराई जायेगी।

कैंप-2 तालाब में डूबने से शख्स की मौत, बीच तालाब में मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कैंप-2 तालाब में बुधवार को नहाने गए शख्स की डूबने से मौत हो गई। शख्स नहाते समय बीच तालाब में डूब गया, आसपास के लोगों ने उसे निकालने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम पहुंची। रात तक रेस्क्यू चला और उसके बाद रोक दिया गया। गुरुवार की सुबह फिर से तलाशी शुरू की गई। बीच तालाब में दलदली जगह पर शख्स का शव धंसा मिला। छावनी पुलिस की मौजूदगी में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार घटना छावनी थाना क्षेत्र के कैंप-तालाब का है। मृतक की पहचान संतोष यादव पिता बिसौहा यादव उम्र 48 शारदा पारा कैंप 2 भिलाई के रूप में हुई है। संतोष एक अच्छा तैराक था और तालाब को एक छोर से दूसरे छोर तक पार कर जाता था। रोज वह तालाब में ही नहाता था। बुधवार दोपहर लगभग 3 बजे वह नहाने गया। नहाने के दौरान वह तैरते तैरते बीच तालाब तक पहुंच गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान वह डूबता चला गया।

तालाबा के पास मौजूद आसपास के लोगों ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसडीआरफ को सूचना दी गई। जिला सेनानी नागेन्द्र कुमार सिंह के निर्देश पर एसडीआरएफ की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। डीप डाइविंग जवान चंद्रप्रताप जघेंल, ओंकार, भानुप्रताप व राजकुमार यादव ने तलाशी शुरू की। रात लगभग 7:30 बजे तक तलाश करते रहे लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरूवार को फिर से तलाश शुरू की। लगभग ढाई घंटे की मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम ने शव को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया।

ड्रोन से ट्रैक होंगे गुंडे-बदमाश, रायपुर पुलिस का हाईटेक अभियान शुरू

भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन से निगरानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस ने नई तकनीक का सहारा लिया है। विशेष अभियान 'ऑपरेशन कालचक्र' के तहत अब संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन के जरिए निगरानी शुरू कर दी गई है।

नॉर्थ जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों— खमतराई, उरला, गुढ़ियारी, पंडरी और

खम्हारडीह में पुलिस टीमों ने अड्डेबाजी वाले स्थानों, संदिग्ध गतिविधियों वाले इलाकों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर ड्रोन से नजर रखना शुरू किया है। पुलिस के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य चाकूबाजी, गुंडागर्दी, निगरानी बदमाशों और फरार वारंटियों पर कड़ी नजर रखना है। ड्रोन सर्विलांस के साथ-साथ पुलिस द्वारा पैदल पेट्रोलिंग भी लगातार की जा रही है, ताकि जमीनी स्तर पर भी निगरानी बनी रहे।

अधिकारियों का कहना है कि ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल से संदिग्ध गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई करना संभव होगा। यह पहल शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। पुलिस ने साफ किया है कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

छत्तीसगढ़ में बदला मौसम : बारिश के बाद बढ़ेगी गर्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। कहीं हल्की बारिश तो कहीं तेज हवाओं के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है, लेकिन यह राहत ज्यादा दिनों तक टिकने वाली नहीं है। मौसम विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में तापमान फिर से तेजी से बढ़ेगा। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह स्थिति अस्थायी है। अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री

सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके बाद मौसम शुष्क हो जाएगा, जिससे गर्मी का असर और अधिक महसूस होगा।

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। उत्तर छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आई, जबकि मध्य और दक्षिणी क्षेत्रों में तापमान लगभग स्थिर बना रहा। इस बदलाव के चलते लोगों को तेज गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली। बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो मनोरा, कांसाबेल और जशपुरनगर जैसे क्षेत्रों में हल्की वर्षा दर्ज की गई। वहीं तापमान के मामले में राजनांदगांव सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो प्रदेश में सबसे कम रहा।

दंतेवाड़ा में दुर्लभ गिलहरी का शिकार, रील बनाकर इंस्टा पर डाला, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में दुर्लभ गिलहरी के शिकार का मामला सामने आया है। यहां के जंगल एक युवक ने गुलेल से 9 दुर्लभ गिलहरियों का शिकार इंस्टा में रील अपलोड की। इसके बाद वन विभाग की टीम ने युवक को गिरफ्तार किया। बताया जाता है कि यह दुर्लभ गिलहरी महाराष्ट्र का राजकीय पशु है।

मिली जानकारी के अनुसार युवक का नाम बंशी राम कवासी निवासी बारसूर है। सोशल मीडिया पर उसने दुर्लभ गिलहरी शेकरू का शिकार करने के बाद हिडमा के वायरल गाने के साथ इंस्टा में रील

पोस्ट की। ये रील दंतेवाड़ा वन विभाग के पास पहुंचा। इसेके बाद ष्ठस्नह्र रंगनाधा रामाकृष्णा वाय के निर्देश पर दंतेवाड़ा रेंजर डॉ प्रीतेश पांडेय और गीदम रेंजर ज्योत्सना पांडेय के नेतृत्व में टीम ने युवक की की इंस्टाग्राम ढ्ढष्ठ से उसका नंबर और लोकेशन निकाला। फिर बारसूर के अंदरूनी इलाके अबूझमाड़ क्षेत्र में बसे एक गांव से युवक को पकड़ लिया गया। पूछताछ में युवक ने बताया कि शिकार में उसके साथ कु 11 लोग शामिल थे।

अरोपी युवक ने वन विभाग की टीम को बताया कि जंगल में पेड़ों पर शेकरू रहते हैं। करीब दो-तीन दिन पहले वह अपने कुछ साथियों के साथ जंगल गया था। जहां उसने अपने साथियों के साथ गुलेल मारकर 9 शेकरू का शिकार किया। इसके बाद उन्हें घर के आंगन में रखकर इंस्टाग्राम रील बनाई, फिर साथियों के साथ मिलकर शेकरू को पकाकर खा गए। आरोपी ने यह भी बताया कि इससे पहले भी इन लोगों ने शेकरू का शिकार किया था। फिलहाल वन विभाग की टीम अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

संपादकीय

नाजुक युद्धविराम

संघर्षरत पक्षों की इच्छाशक्ति से दूर होगा मानवीय संकट

तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा से दुनिया को उस युद्ध से राहत मिली है, जिसने संघर्षरत पक्षों के अलावा पूरी दुनिया के लोगों के जीवन यापन को गहरे तक प्रभावित किया। निस्संदेह इस युद्ध ने पश्चिम एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के साथ ही वैश्विक कूटनीति पर असर डाला है। एक माह से अधिक समय तक चले इस युद्ध में विनाशकारी हवाई हमलों, होर्मुज जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी और सभ्यता के विनाश के खतरों के बाद अब एक अस्थायी विराम ने पूरी दुनिया को राहत दी है। युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। लेकिन इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान इसे अपनी एक रणनीतिक जीत बताता है। उसकी दलील है कि उसने दुनिया की सुपरपॉवर अमेरिका व आक्रमक इस्राइल की सेनाओं के हमलों का अकेले ही मुकाबला किया और वैश्विक तेल आपूर्ति पर अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया है। ऐसे में कूटनीति के जानकार आशंका जता रहे हैं कि ये परस्पर विरोधी बयानबाजी स्थायी शांति की दिशा में एक कारगर कदम नहीं, बल्कि महज रणनीति में बदलाव का संकेत है।

> “ युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। लेकिन इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

मौजूदा परिदृश्य व लगातार संवेदनशील घटनाक्रमों के बीच कहना मुश्किल है कि यह युद्धविराम किसी तार्किक परिणति तक पहुंचेगा। कहा नहीं जा सकता कि युद्धविराम के बावजूद इस्राइल पड़ोसी देशों पर हमले रोकेगा। वह कह रहा है कि लेबनान पर उसके हमले जारी रहेंगे। वहीं पाकिस्तान की तरफ से कहा जा रहा है कि समझौते के प्रारूप में लेबनान पर इस्राइल के हमले रोकना भी शामिल है। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की 'पल-पल, क्षण-क्षण' बदलती बयानबाजी और दूसरी ओर इस्राइल की आक्रामक रणनीति स्थायी शांति के मार्ग में संदेह के कांटे बोती नजर आती है। ईरान भी कह रहा है कि यदि उस पर इस्राइल के हमले जारी रहते हैं तो वह सीमाओं से परे संघर्ष का विस्तार करेगा, जो निश्चित ही चिंता की बात है। युद्ध विराम की खबरों के बीच इस्राइल का लेबनान में हिजबुल्लाह को निशाना बनाना और हमले में नागरिकों के घायल होने की खबरों ने दुनिया की चिंता को बढ़ाया है। इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू का यह बयान कि लेबनान में संघर्ष का मोर्चा सक्रिय रहेगा, युद्धविराम की सीमाओं को ही दर्शाता है। अमेरिका-ईरान युद्ध के समांतर संघर्षों को नजरअंदाज करने वाला यह युद्धविराम टिकाऊ होगा, इसमें संदेह व्यक्त किया जा रहा है। इस युद्ध के बाद पाकिस्तान के प्रमुख मध्यस्थ के रूप में उभरने के बीच युद्धविराम की शर्तों की परस्पर विरोधी व्याख्याएं चिंता बढ़ाने वाली हैं। विशेष रूप से यूरेनियम संवर्धन और होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण के संबंध में, एक साझा ढांचे की कमी को ही उजागर करती है। आशंका जतायी जा रही है कि युद्ध विराम को लेकर स्पष्टता का अभाव, मामूली उल्लंघन भी समझौते को विफल कर सकते हैं। सही मायनों में देखा जाए तो यह युद्धविराम संघर्षरत पक्षों के इरादे की परीक्षा भी है। निस्संदेह, मौजूदा स्थिति वार्ताओं के लिये एक सीमित अवसर प्रदान करती है। यह भी स्पष्ट करती है कि उपलब्धियां कितनी जल्दी खोई जा सकती हैं। आशंका जतायी जा रही है कि यदि इस्लामाबाद में प्रस्तावित वार्ताएं दोनों के पक्षों के बीच जारी मतभेदों की खाई को पाटने में विफल रहती हैं तो जल्द ही क्षेत्र में युद्ध के बादल फिर से मंडरा सकते हैं।

भारतीय नारी शक्ति को सशक्त करने का वक्त

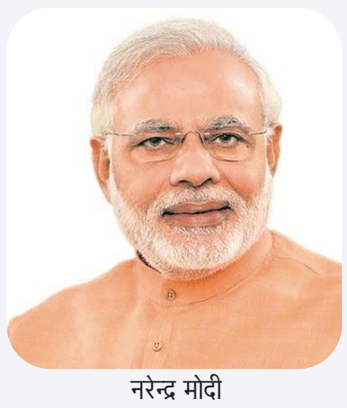

नरेन्द्र मोदी

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारी संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा। लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विशु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को वैसाखी के पर्व का इंतजार है। ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत और दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये तिथियां हमें सामाजिक न्याय व मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक भारत की दिशा तय की।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बनी है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र तक महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं तो उनका अनुभव और विज़न बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के निरंतर प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर, 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में हर नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार-बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है।

संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारी शक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

सुपर-एज्ड सोसायटी की समस्याएं सुलझाना बेहतरीन बिजनेस आइडिया है

एन. रघुरामन

बिस्तर से हिल नहीं सकने वाले ग्रैंड चाइल्ड ने कहा कि 'दादी मां, आप आ गईं। जब आप बाहर थीं तो मुझे आपकी बहुत याद आई।' राशन को किचन प्लेटफॉर्म पर रखते हुए 80 साल की दादी बोलीं, 'ओह, माई डियर, मैंने भी तुम्हें मिस किया। मैं बस बाजार गई थी।

पहले की तरह लंबे समय के लिए बाहर नहीं गई।' फिर 7 साल के ग्रैंड चाइल्ड से लगने वाले बच्चे ने अनुरोध भरे लहजे में कहा कि 'मुझे खुशी है आप घर आ गईं। क्या आप मुझे गले लगा सकती हैं?' दादी तुरंत बिस्तर के पास गईं और ग्रैंड चाइल्ड को गले लगा लिया।

बच्चा धीरे से कहता है, 'मुझे आपसे बातें करना बहुत पसंद है। दिन में कुछ वक्त मेरे साथ खेलना मत भूलिएगा।' प्रसन्न दादी कहती हैं- 'हां हायोडॉल।' यह नाम कोरियाई भाषा के दो शब्दों से बना है- डॉल और वह व्यक्ति जो पैरेंट्स की देखभाल और उन्हें सपोर्ट करता है।

आपने शायद ध्यान दिया होगा कि मैंने 'दोनों खुश हुए' नहीं लिखा। जानते हैं क्यों? क्योंकि हायोडॉल एक एआई संचालित रोबोट है, एक बेबी जैसा डिवाइस। खुश होने पर उसके गाल लाल हो जाते हैं। पहले यही दादी मां जब अकेलापन महसूस करतीं तो अकसर बिना कोई गंतव्य सोचे बस में बैठ जाती थीं और देर रात घर लौटने से पहले साउथ कोरिया की राजधानी सियोल की सड़कों पर घूमती रहतीं, क्योंकि अकेलापन उन्हें काटने दौड़ता था।

अब चूंकि हायोडॉल घर पर है तो वह ऐसे सफर कम करती हैं। बुजुर्गों से भावनात्मक जुड़ाव बनाने के लिए इसे 7 साल के बच्चे जैसा बनाया गया है। हायोडॉल बुजुर्गों से उनकी यादें साझा करवाने के लिए 'टाइम मशीन' गेम्स इस्तेमाल भी करता है।

यह उनकी कॉग्निटिव हेल्थ में मददगार होता है। मसलन, हायोडॉल पूछता है, 'मुझे आपके बचपन की कहानी सुनाइए। दोस्तों के साथ आपका पसंदीदा खेल कौन-सा था?' बुजुर्ग कहते हैं कि 'उस समय हमारे पास रोबोट नहीं थे।

नहर के पास खेलते हुए अकसर हम हाथों से मछलियां पकड़ते थे।' उत्सुकता भरे लहजे में हायोडॉल पूछता है कि 'ओह, ये तो बहुत रोमांचक है। क्या पानी बहुत ठंडा होता था? मैं आपके होमटाउन के बारे में और सुनना चाहता हूं।'

कई बुजुर्ग अपनी गिरती सेहत और सामाजिक अलगाव के कारण गंभीर मानसिक समस्याओं से जूझते हैं। साउथ कोरिया अपनी सुपर-एज्ड सोसाइटी के कारण जाना जाता है। वहां 5.1 करोड़ की आबादी में से 20% लोग 65 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। ऐसे में इन एकाकी लोगों को हायोडॉल बांटना शुरू किया गया है।

अब तक सरकारी जनकल्याण योजनाओं के तहत 1100 डॉलर मूल्य वाले करीब 14 हजार हायोडॉल बांटे जा चुके हैं। 'रोबोटिक मल्टी-केयर नेटवर्क' ऐसा सिस्टम है, जो डेडिकेटेड स्मार्टफोन एप और वेब-बेस्ड डैशबोर्ड को आपस में जोड़ता है। इससे परिजन और पेशेवर केयरगिवर्स फिजिकली मौजूद हुए बिना भी बुजुर्गों की सेहत ट्रैक कर सकते हैं।

ऐसे ही प्रयास दूसरे देशों में भी हो रहे हैं। न्यूयॉर्क में 'एलिक' नाम के करीब 800 एआई कंपैनियन रोबोट बुजुर्गों की मदद कर रहे हैं। इससे 94% लोगों का अकेलापन कम हुआ है। 'एलिक' में बाहरी हिस्सा व्हाइट प्लास्टिक का और टैबलेट इंटरफेस होता है।

हायोडॉल इंग्लिश, जापानी और चीनी भाषा बोल सकते हैं, क्योंकि ये भाषाएं बोलने वाले देशों में बुजुर्ग तेजी से बढ़ रहे हैं। इन्हें बनाने वाली कंपनी अब इन बाजारों को निर्यात के मौके के रूप में देख रही है। उनका अनुमान है कि 2030 तक इनका वैश्विक बाजार 7.7 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

एकल परिवारों के बढ़ने और बच्चों के विदेश जाने के कारण भारत में भी यह स्थिति जल्द आएगी। हममें से कोई भी इस सच्चाई से मुंह नहीं मोड़ सकता कि देर-सवेर हम भी सुपर-एज्ड सोसाइटी बनने वाले हैं।

फंडा यह है कि भारतीयों के नाते हमें तय करना होगा कि हम बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की भारतीय संस्कृति को प्रोत्साहित करें या एक रोबोट बनाने के लिए तैयार रहें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनी छिपी भूख

डॉ. अनू कुमार

छिपी हुई भूख का अर्थ है शरीर में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी, जिंक, आयोडीन और फोलिक एसिड। यह कमी थकान, बार-बार संक्रमण, कमजोरी, ध्यान की कमी, हड्डियों की समस्या और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसे लक्षणों के रूप में दिखाई देती है।

आज का भारत एक विसंगति दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश तेज़ी से आर्थिक प्रगति कर रहा है, बाज़ारों में खाद्य सामग्री की कोई कमी नहीं है और स्वास्थ्य सेवाएं भी विस्तारित हो रही हैं। लेकिन दूसरी ओर, एक गंभीर समस्या चुपचाप समाज में आकार ले रही है—पोषण की कमी, जिसे अक्सर छिपी हुई भूख कहा जाता है।

छिपी हुई भूख का अर्थ है शरीर में आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी, जैसे आयरन, विटामिन बी12, विटामिन डी, जिंक, आयोडीन और फोलिक एसिड। यह कमी थकान, बार-बार संक्रमण, कमजोरी, ध्यान की कमी, हड्डियों की समस्या और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसे लक्षणों के रूप में दिखाई देती है। भारत में आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया आज भी महिलाओं और किशोरियों में आम है। शहरी आबादी में विटामिन बी12 की कमी तेजी से बढ़ रही है, जिसका एक कारण बदलती भोजन शैली और पोषक तत्वों का ठीक से अवशोषण न होना है। धूप की प्रचुरता के बावजूद विटामिन डी की कमी एक विडंबना बन चुकी है, जो हड्डियों, प्रतिरक्षा तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जिंक और आयोडीन की कमी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करती है।

पोषण को लेकर सबसे आम भ्रांति यह है कि भरपूर खाना खाने का मतलब अच्छा पोषण है। आज का आधुनिक भोजन—जो अधिकतर परिष्कृत अनाज, पैकेज्ड फूड और मीठे स्नैक्स पर आधारित है—कैलोरी तो देता है, लेकिन आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व नहीं। हमारी पारंपरिक भोजन पद्धतियां, जिनमें मोटे अनाज, दालें, मौसमी सब्जियां और किण्वित खाद्य पदार्थ शामिल थे, धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही हैं।

दरअसल, भोजन में गुणवत्ता के असंतुलन का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ता है। पोषण की कमी से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे संक्रमण जल्दी होते हैं और ठीक होने में समय लगता है। मधुमेह और हृदय रोग जैसे जीवनशैली से जुड़े रोगों की गंभीरता भी बढ़ जाती है। बच्चों में यह शारीरिक वृद्धि

और सीखने की क्षमता को प्रभावित करती है, जबकि कामकाजी वर्ग में थकान और उत्पादकता में कमी लाती है। बुजुर्गों में यह कमजोरी और जटिलताओं को बढ़ावा देती है।

सरकार ने पोषण अभियान, मिड-डे मील, आयरन-फोलिक एसिड सप्लीमेंटेशन और खाद्य सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से सराहनीय प्रयास किए हैं। लेकिन केवल दवाइयों और सप्लीमेंट्स के भरोसे इस समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। दीर्घकालिक समाधान के लिए ज़रूरी है कि पोषण भोजन के माध्यम से, सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से मिले। यहां पर बायोटेक्नोलॉजी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अक्सर बायोटेक्नोलॉजी को जटिल प्रयोगशालाओं तक सीमित विज्ञान माना जाता है, जबकि वास्तव में यह हमारे दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है। बायोफोर्टिफाइड फसलें, जिनमें प्राकृतिक रूप से अधिक आयरन, जिंक या विटामिन मौजूद होते हैं, इसका एक उदाहरण हैं। ऐसे खाद्य पदार्थ बिना खान-पान की आदत बदले बेहतर पोषण प्रदान कर सकते हैं।

इसके अलावा, किण्वन और लाभकारी सूक्ष्मजीवों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है—जो हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति का हिस्सा रहे हैं, जैसे दही, छाछ, इडली, डोसा और किण्वित पेय। आधुनिक बायोटेक्नोलॉजी इन परंपराओं को वैज्ञानिक आधार देकर पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण और आंतों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करती है। फंक्शनल फूड्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स का क्षेत्र भी संभावनाओं से भरा है, बशर्ते इन्हें जिम्मेदारी और किफायती तरीके से विकसित किया जाए। ये उत्पाद विलासिता नहीं, बल्कि विशिष्ट पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के साधन बन सकते हैं—खासकर कमजोर वर्गों के लिए।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू है जागरूकता। कई बार पोषण की कमी का निदान नहीं हो पाता क्योंकि इसके लक्षणों को सामान्य कमजोरी समझ लिया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संवाद में अब केवल वजन और कैलोरी नहीं, बल्कि सूक्ष्म पोषक तत्वों और संतुलित आहार पर भी ज़ोर दिया जाना चाहिए। किशोरों, गर्भवती महिलाओं और कामकाजी वर्ग के लिए पोषण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। नीति स्तर पर, यदि बायोटेक्नोलॉजी आधारित पोषण समाधानों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए—जैसे बायोफोर्टिफाइड अनाज, स्कूल भोजन में पोषण संवर्धन—तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी हो सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि बायोटेक्नोलॉजी नैतिकता, पारदर्शिता और सुलभता के साथ आगे बढ़े। छिपी हुई भूख केवल पोषण की समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास की चुनौती है।

आज आवश्यकता है कि पोषण को केवल स्वास्थ्य विभाग की ज़िम्मेदारी मानकर न देखा जाए, बल्कि इसे शिक्षा, कृषि, विज्ञान और सामाजिक चेतना से जोड़कर समझा जाए। जब तक परिवार स्तर पर यह समझ नहीं बनेगी कि संतुलित आहार क्या है और पोषक तत्व क्यों आवश्यक हैं, तब तक योजनाएं और तकनीकें भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएंगी। पोषण साक्षरता को स्कूल पाठ्यक्रम, सामुदायिक कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के माध्यम से व्यापक रूप से फैलाना होगा। साथ ही, खाद्य उद्योग और वैज्ञानिक संस्थानों को मिलकर ऐसे समाधान विकसित करने होंगे। बायोटेक्नोलॉजी आधारित नवाचार तभी सफल होंगे जब वे आम आदमी की थाली तक पहुंचें। इसके लिए नीति-निर्माताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और चिकित्सकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव होते हैं। पोषण में निवेश दरअसल देश के भविष्य में निवेश है—और इस निवेश का लाभ आने वाली पीढ़ियां अवश्य महसूस करेंगी।

लेखक यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

'ब्लूप्रिंट' आधारित प्रश्न पत्र निर्माण प्रक्रिया में होंगे दक्ष

दुर्ग। शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार और मूल्यांकन पद्धति को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) की ओर से ब्लू प्रिंट पर आधारित प्रश्न निर्माण प्रशिक्षण दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम 6 व 7 अप्रैल को सेठ रतन चंद सुराना कॉलेज दुर्ग में आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) संचालक के आदेशानुसार एवं डाइट प्राचार्य पी सी मरकले के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण का प्राथमिक ध्येय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्तर के व्याख्याताओं को 'ब्लूप्रिंट' आधारित प्रश्न पत्र निर्माण प्रक्रिया में दक्ष बनाना रहा। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी सत्येन्द्र शर्मा ने बताया कि बालोद व दुर्ग जिले के सभी संकाय विज्ञान समूह के अंतर्गत गणित,जीव विज्ञान भौतिक,रसायन विज्ञान, कला समूह के अंतर्गत राजनीति शास्त्र इतिहास भूगोल अर्थशास्त्र , वाणिज्य संकाय के अंतर्गत लेखाशास्त्र एवं व्यवसाय और भाषा समूह के अंतर्गत अंग्रेजी संस्कृत, हिंदी एवं कृषि संकाय, पशुपालन इत्यादि विषयों के ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरजी) का उन्मुखीकरण राज्य स्तर एवं जिला स्तर के मास्टर ट्रेनर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में बालोद जिला से 140 बीआरजी और दुर्ग जिला 59 बीआरजी को आमंत्रित किया गया था। सभी विषयों के एसआरजी/ डीआरजी एचएस भुवाल, कोमल देशमुख राजकुमार गेंद्रे, रत्ना साहू,डॉ पूनम बिचपुरिया, डॉ अनुपमा मौर्य, विवेक ध्रुव, विभा रानी मधु, मृणालिनी पात्रेकर और डी आर साहू ने 6 डोमेन पर विस्तृत रूप से जानकारी दी।

संयंत्र के एसएमएस 3 में सुरक्षा ही सर्वोपरि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के इस्पात गलन शाला-3 (एसएमएस-3) में व्यावहारिक सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सुरक्षा ही सर्वोपरि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा रहे। अपने संबोधन में त्रिभुवन बैठा ने कहा कि एसएमएस-3 ने सुरक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सेल स्तर पर भी श्रेष्ठ सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त कर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि शीर्ष स्थान प्राप्त करना जितना चुनौतीपूर्ण है, उससे कहीं अधिक कठिन उसे बनाए रखना है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने कार्य निष्पादन में उत्कृष्टता बनाए रखते हुए सुरक्षा के प्रति सतत सजग एवं प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान बीआई एसपीओसी डी. विजित ने सुरक्षा पुरस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी एवं सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करना है।

स्वीकृत निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराये - मंत्री गजेन्द्र यादव

दुर्ग जिले में लगभग 500 करोड़ के निर्माण कार्य स्वीकृत, धमधा नाका ओवरब्रिज गुढ़ियारी (रायपुर) ब्रिज के तर्ज पर बनेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि तथा विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने यहां लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सभाकक्ष में निर्माण कार्य एजेंसी विभागों के अधिकारियों की बैठक में निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा दुर्ग जिले में लगभग 500 करोड़ रूपए लागत की विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये हैं।

इन कार्यों में सड़क, पुल, पुलिया, भवन, आडिटोरियम, केनाल रोड, नवीन विश्राम भवन, जेल तिराहा से मिनी माता चौक तक सड़क चौड़ीकरण एवं प्लाईओवर ब्रिज निर्माण, चण्डी मंदिर रोड, अग्रसेन चौक से दुर्ग-धमधा अण्डरब्रिज तक के कार्य, सड़कों के संधारण, चौड़ीकरण सहित अन्य कार्य शामिल है।

उन्होंने सड़कों के संधारण, चौड़ीकरण एवं ट्रैफिक नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी विभाग के संयुक्त बैठक में आपसी समन्वय और तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान के कार्यों में तेजी लाकर जनता को शीघ्र लाभ पहुंचना सुनिश्चित करें। मंत्री श्री यादव ने कहा कि निर्माण कार्य एजेंसी विभाग पुराने स्वीकृत निर्माण कार्य समयावधि में पूर्ण करायें। इसी प्रकार वर्तमान बजट में विभागों को जो निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये हैं, ऐसे कार्यों का टेंडर प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर लिया जाए। मंत्री श्री यादव ने अधिकारियों से कार्य स्वीकृति पश्चात् मंत्रालय स्तर एवं वित्त विभाग संबंधी समस्याएं की जानकारी भी ली। साथ ही आवश्यक पहल करने का भरोसा दिलाया।

उन्होंने कहा कि दुर्ग केनाल रोड निर्धारित मापदण्ड के अनुसार बनायी जाए। उक्त निर्माण हेतु अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही हेतु राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक पहल किया जाए। मंत्री श्री यादव ने चण्डी मंदिर सड़क निर्माण, ब्रम्हकुमारी संस्थान से मुख्य सड़क मार्ग, दुर्ग-धमधा सड़क मार्ग, दुर्ग नंदिनी रोड, संगीत महाविद्यालय, पेंशनर भवन एवं नवीन विश्राम भवन दुर्ग आदि के संबंध में जानकारी ली। इसी प्रकार धमधा नाका ओवर ब्रिज निर्माण हेतु आवश्यक पहल करने तथा धमधा नाका ओवर ब्रिज को गुढ़ियारी (रायपुर) ब्रिज के तर्ज पर बनाने सेतु विभाग के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया हैं। मंत्री श्री यादव ने बोरसीभांठा में पौधरोपण के संबंध में जानकारी ली। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बोरसीभांठा के 12 एकड़ जमीन में पौधरोपण किया जाना है। इस हेतु 65 लाख रूपए स्वीकृति हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया है। मंत्री श्री यादव ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को पेयजल हेतु पाईपलाईन विस्तार के साथ ही दुर्ग नगर निगम अंतर्गत पानी सप्लाई की व्यवस्था सुव्यवस्थित कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने नगर में साइंससिटी निर्माण पर जोर देते हुए राजस्व विभाग के अधिकारियों को शासकीय निर्माण कार्यों हेतु नक्शा-खसरा सहित जमीन शीघ्रतापूर्वक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह, पीडब्ल्यूडी अधीक्षण अभियंता बी.के. पटेरिया, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, एसडीएम दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम भिलाई-3/भिलाई महेश राजपूत, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता सहित लोक निर्माण विभाग, पीएचई, आरईएस, सेतु विभाग, विद्युत विभाग, उद्योग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी के प्रथम पुण्यतिथि का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के कमला दीदी सभागार में ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका दादी रतन मोहिनी की प्रथम पुण्यतिथि का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है समग्र विश्व में ब्रह्माकुमारी संस्था विश्व में ऐसी अनुपम है जहाँ के संचालन का समस्त दायित्व माताओं बहनों के हाथों में है। दादी रतन मोहिनी के जीवन यात्रा के विषय में रीटा दीदी संचालिका, ब्रह्माकुमारीज दुर्ग ने बताया दादी रतनमोहिनी जी का जन्म 25 मार्च, 1925 को सिंध, पाकिस्तान में हुआ था। मात्र 13 साल की उम्र में वे ब्रह्माकुमारीज से जुड़ गईं और 87 वर्षों तक इस संस्था की यात्रा की साक्षी रहीं। उन्होंने अपने जीवन को अध्यात्म, सेवा और सशक्तिकरण के मार्ग पर समर्पित किया।

दादी जी की विशेषताएं ...

- सादगी और स्नेह: दादी जी का जीवन सादगी और स्नेह से भरा था, जो उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाता था।
- आध्यात्मिक ज्ञान- उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए काम किया, जिससे लोगों को जीवन के सही मार्ग पर चलने में मदद मिली।
- नारी सशक्तिकरण-वे नारी सशक्तिकरण की एक मजबूत आवाज थीं, जिन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने के लिए काम किया।
- समाज सेवा-उन्होंने समाज सेवा के लिए कई कदम उठाए, जिसमें युवा प्रभाग का नेतृत्व भी शामिल है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया।

दादी जी की प्रेरणा ..

दादी रतनमोहिनी जी की प्रेरणा से अनेकों लोगों ने अपना जीवन बदल लिया। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के वैश्विक आंदोलन को उत्कृष्ट नेतृत्व प्रदान किया और उनकी शिक्षाएं लोगों को अध्यात्म के मार्ग पर चलने और जन-कल्याण-कार्यों के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

इस आयोजन में ललित सेक्सरिया-(अध्यक्ष अग्रवाल समाज),पायल अग्रवाल (समाज सेविका दुर्ग) ने दादी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दादीजी अध्यात्म की जरिए शिखर पर पहुंची है और अनेकों का प्रेरणा स्रोत बनी हैं तो वास्तविक श्रद्धांजलि यही है कि हम उनके बताए हुए अध्यात्म के मार्ग का अनुसरण करें । इस आयोजन में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से अनेक भाई-बहनें उपस्थित हुए मंच संचालन ब्रह्माकुमारी रूपाली दीदी ने किया।

गायक संजय ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर पर बनाया म्यूजिक वीडियो

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट और स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में उच्च पदस्थ रहे प्रख्यात गायक संजय सिंह ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर के व्यक्तित्व व कृतित्व पर केंद्रित म्यूजिक वीडियो बनाया है। इस एलबम का अनावरण उनके सुपुत्र एवं वर्तमान में सांसद नीरज शेखर ने किया। गीतकार सुनील गुप्ता व संजय सिंह है, वहीं संगीत निर्देशन भी संजय सिंह का है। गौरतलब है कि इस वर्ष स्व. चंद्रशेखर का जन्म शताब्दी समारोह 17 अप्रैल से शुरू हो रहा है। संजय सिंह ने बताया कि उन्होंने स्व. चन्द्रशेखर के जीवन को बहुत ही निकटता से देखा है। उनसे अनन्य लगाव रहा है तथा कई बार मिलना भी हुआ है।

उन्होंने बताया कि 1985 में जब जनता पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन बलिया में हुआ और तब चंद्रशेखर जनता पार्टी के अध्यक्ष थे। उस समय उस अधिवेशन में उनके गायन के दो कार्यक्रम हुए थे। खचाखच भरे मैदान में स्टेज पर स्वयं चंद्रशेखर ने उनका एक गायक के रूप में दर्शकों से परिचय कराया था। संजय सिंह का कहना है कि स्व. चंद्रशेखर एक जन नेता थे तथा उनकी सभी पार्टियों और उनके नेताओं से निजी संबंध थे। उन्होंने बताया कि स्व. चंद्रशेखर जन्म शताब्दी समारोह देशभर में मनाया जाएगा और उनके म्यूजिक वीडियो की स्क्रीनिंग भी इन समारोहों में होगी।

स्वास्थ्य कर्मियों और मरीजों ने ली शपथ टीकाकरण के लिए किया जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में चिकित्सा अधिकारी डॉ शिखर अग्रवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों और मरीजों ने शपथ ली। बी ई टी ओ सैय्यद असलम ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर चिकित्सा अधिकारी डॉ शिखर अग्रवाल ने कहा कि विज्ञान नई नई खोजों के माध्यम से नवीन तकनीक,नई दवाएं और वैक्सीन उपलब्ध करा रहा है।

मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उनके अध्ययन अनुभव और मरीजों के फीडबैक से भारत सरकार को अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि नवीन दवाओं उनके शोध मे हम विश्व स्तर अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ रवि शंकर सत्यार्थी ने कहा कि बीमारियों की रोकथाम बचाव व उपचार और निदान को हर स्तर पर सेवाओं के माध्यम से मजबूत करना है। सैय्यद असलम ने मरीजों व परिजनों को बताया कि भारत सरकार एच पी व्ही वैक्सीन निशुल्क उपलब्ध करा रही है जो गर्भाशय कैंसर से बचाव का महत्वपूर्ण अभियान है। सभी 14 साल पूर्ण कर चुकी बेटियों को यह टीका अवश्य लगाना चाहिए। कार्यक्रम में डा अर्चना मिश्रा, एल एच व्ही आर विश्वास, आर एम ए प्रज्ञा कुशवाहा, स्टाफनर्स गुलशन खलको, रोशन बर्मन, फार्मासिस्ट तृप्ति चंद्राकर, स्मिता बागड़े, आलिया खातून, समीर रात्रे, निवेश प्रधान, चम्पाकली सोनी, मीरा साहू, सरस्वती ठाकुर, सुनीति वर्मा और प्रीतिका सहित पदाधिकारी उपस्थित थे।

किसानों ने खेतों की जल निकासी की समस्या के समाधान हेतु जनदर्शन में लगाई गुहार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 140 आवेदन प्राप्त हुए।

इसी कड़ी में जुनवानी-खम्हरिया मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित वार्ड क्रमांक 1 के निवासियों ने पुनर्व्यवस्थापन की मांग की।

उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जुनवानी खम्हरिया नगर होते हुए आईआईटी भिलाई पहुंच मार्ग के दोनों तरफ प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण से करीब 50 वर्षों से रह रहे कई मकान और दुकान प्रभावित होंगे। रहवासियों ने वैकल्पिक व्यवस्था कराकर कब्जा खाली कराकर निर्माण कार्य शुरू कराने के लिए आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने ईई लोक निर्माण विभाग को कार्यवाही करने को कहा।

कोलिहापुरी के किसानों ने खेतों से पानी निकासी की समस्या के समाधान कराने आवेदन दिया। किसानों ने बताया कि कोलिहापुरी गांव में वालफेर्ट मंगलम सिटी का निर्माण होने के कारण बॉड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है, जिसके कारण किसानों के खेतों में बारिश का पानी निकासी नही हो पा रहा है। लगभग 100 किसानों की खेती प्रभावित हो रही है। किसानों ने पानी निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की, ताकि उनकी कृषि प्रभावित न हो। इस पर कलेक्टर ने निरीक्षण कर तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

वृंदा नगर बोरसी में वार्डवासियों ने नाले के गंदे पानी के तालाब में सीधे जाने की समस्या को लेकर कार्यवाही करने की मांग की। बस्ती का गंदा पानी नाली के माध्यम से सीधे तालाब में प्रवाहित हो रहा है, जिससे तालाब का पानी अत्यधिक दुषित एव अनुपयोगी हो चुका है। तालाब क्षेत्रवासियों के दैनिक उपयोग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में गंदगी और मच्छरों के बढ़ने से जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। निवासियों ने नाली डायवर्जन या अन्य स्थायी समाधान कराने आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

बीएसपी के सीएसआर विभाग द्वारा ग्राम घुघसीडीह में विकास कार्यों का हस्तांतरण समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा ग्राम पंचायत घुघसीडीह में कला मंच, बोरवेल की खुदाई एवं हैंडपंप निर्माण कार्यों के पूर्ण होने उपरांत दिनांक 07 अप्रैल 2026 को हस्तांतरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत घुघसीडीह की सरपंच ललिता बारले को हस्तांतरण विलेख के रूप में प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (सीएसआर) मनोज कुमार दूबे रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर उप प्रबंधक (सीएसआर) के. के. वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर विभागीय कर्मचारी बुधेलाल सहित ग्राम पंचायत के पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि मनोज कुमार दूबे ने सीएसआर विभाग एवं परिधीय ग्रामों के बीच सुदृढ़ संबंधों एवं समग्र विकास में विभाग की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आश्वस्त किया कि ग्राम पंचायत घुघसीडीह में भविष्य में आवश्यकतानुसार विकासात्मक कार्यों के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

वहीँ विशिष्ट अतिथि उप प्रबंधक के. के. वर्मा ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सहायता कार्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए ग्रामीणों को इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन ग्राम के पूर्व सरपंच गोवर्धन जी द्वारा किया गया, जिन्होंने सीएसआर विभाग, भिलाई इस्पात संयंत्र के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

गया नगर में पानी टंकी निर्माण का रास्ता हुआ साफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत गया नगर,मठपारा वार्ड सहित आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या के समाधान की दिशा में बड़ी पहल हुई है। नगर निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार के निर्देश और जलकार्य विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन की सक्रियता से पानी टंकी निर्माण में आ रही भूमि संबंधी बाधा दूर कर ली गई है। जमीन सीमांकन के बाद गया बाई स्कूल के सामने स्थित कबड्डी मैदान की शासकीय भूमि पर नई पानी टंकी निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। नगर निगम द्वारा पहले बघेरा मोड़ डोंगिया बांधा तालाब के पास लगभग 2करोड़ की लागत से 15 लाख लीटर क्षमता की उच्च स्तरीय पानी टंकी बनाने की योजना बनाई गई थी,लेकिन तकनीकी जांच में उक्त स्थल को जल भूमि व उपयुक्त नहीं पाए जाने के कारण स्वीकृत स्थल को खारिज कर दिया गया इससे टंकी निर्माण को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई थी और स्थानीय लोगो में भी नाराजगी हो रही थी। एमआईसी बैठक में जलकार्य विभाग प्रभारी एवं गया नगर वार्ड की पार्षद श्रीमती लीना दिनेश देवांगन को अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों से समन्वय कर शीघ्र समाधान निकालने के निर्देश दिए थे।महापौर के निर्देश के बाद जल प्रभारी लीना दिनेश देवांगन ने त्वरित पहल करते हुए नगर निगम अधिकारियों को वैकल्पिक शासकीय भूमि की तलाश कर पटवारी प्रतिवेदन और सीमांकन कराने के निर्देश दिए।

Since 1972
CROWN® TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

भाजपा के 'गांव चलो-बस्ती चलो' अभियान का बेलरगांव में शंखनाद

नगरी। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेशव्यापी आह्वान पर 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आयोजित 'गांव चलो-बस्ती चलो' अभियान का भव्य शुभारंभ बेलरगांव भाजपा मंडल के ग्राम बेलरगांव से किया गया। इस अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों और पार्टी के मूल सिद्धांतों से जनता को अवगत करा रहे हैं। पहले दिन कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मोहल्लों का दौरा कर शासन की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भेंट की।

पीएमश्री शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नगरी में प्रवेश प्रारंभ

धमतरी। पीएमश्री शास. अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नगरी में सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए 31.05.2026 की स्थिति में कक्षा पहली के लिए 5 वर्ष 6 माह से 6 वर्ष 6 माह तक की आयु सीमा निर्धारित है। इच्छुक छात्र-छात्राएं ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10 अप्रैल 2026 से 5 मई 2026 तक कर सकते हैं एवं ऑनलाइन आवेदन की पावती ऑफलाइन आवेदन फार्म के साथ उपरोक्त समयावधि में संस्था में जमा करना अनिवार्य होगा जिससे सत्यापन किया जा सके। बी.पी.एल. कार्ड धारक आवेदकों के लिए ऑनलाइन फ र्म के साथ राशन कार्ड की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा।

कुसमुंडा खदान में डंप स्लाइड से दो डंपर नीचे गिरे, ड्राइवर सुरक्षित

कोरबा। एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। नीलकंठ साकार जीवी कंपनी के दो डंपर डंप स्लाइड होने के कारण अचानक नीचे गिर गए। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों डंपर चालकों ने किसी तरह अपनी जान बचा ली और वे सुरक्षित हैं। घटना की सूचना मिलते ही खदान में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद कर्मचारी और संबंधित विभाग के अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पहले भी कई बार डंप स्लाइड और अन्य कारणों से गंभीर हादसे हो चुके हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा चुकी है। इन घटनाओं के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में कोई ठोस सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।

वन धन विकास केन्द्र पंचक्की

लघु वन उत्पादों का मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण व विपणन कर महिला समूहों ने कमाए 23 लाख

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन धन विकास केंद्र आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए में शुरू की गई एक अनूठी पहल है। ये केंद्र स्वयं सहायता समूहों को जोड़कर, लघु वन उत्पादों के मूल्यवर्धन, प्रसंस्करण और विपणन के माध्यम से आदिवासियों की आय और आजीविका को बढ़ाते हैं। ये समूह जंगलों में मिलने वाली औषधीय जड़ी-बूटियों से च्यवनप्राश, वासावलेह, कौंचपाक और आरोग्य अमृत जैसे उत्पाद तैयार कर रहे हैं, जिससे स्थायी रोजगार मिल रहा है।

जशपुर जिले के पंचक्की स्थित वन धन विकास केंद्र के अंतर्गत संचालित स्व-सहायता समूह ग्रामीण उद्यमिता और जनजातीय सशक्तिकरण का अच्छा उदाहरण बनकर सामने आए हैं। इस पहल से उरांव जनजाति के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है।

पहले ये लोग मुख्य रूप से खेती और मजदूरी पर निर्भर थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री जनजातीय वन धन विकास योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और ट्राइफेड के सहयोग से सफल उद्यमी बन गए हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में इन समूहों ने 23.16 लाख रूपए की वार्षिक बिक्री दर्ज की है, जबकि पिछले पाँच वर्षों में औसत वार्षिक बिक्री 31.9 लाख रूपए रही है। यह उनकी लगातार मेहनत और उत्पादों की गुणवत्ता का परिणाम है।

इस सफलता में प्रशिक्षण और संस्थागत सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। छत्तीसगढ़ मार्कफेड द्वारा समूहों को उत्पाद की गुणवत्ता, स्वच्छता, पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन, मशीनरी और विपणन में भी सहायता प्रदान की गई।

समूहों ने 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रांड के तहत अपनी पहचान बनाई है और 'संजीवनी' आउटलेट्स के माध्यम से अपने उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। इसके अलावा, आयुष विभाग से आवश्यक लाइसेंस प्राप्त कर उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित की गई है। इस पहल से समूह के सदस्यों की आय बढ़ी है और उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

अब वे अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दे पा रहे हैं। बेहतर कार्य के लिए समूहों को सम्मान भी मिला है, जिससे उनका आत्मविश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ी है।

वन धन विकास केंद्र पंचक्की की यह सफलता दर्शाती है कि सही प्रशिक्षण, सहयोग और सामूहिक प्रयास से जनजातीय समुदायों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।

सस्ते जैव उर्वरक नील-हरित काई का शासकीय फार्म में उत्पादन प्रारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायगढ़ जिले में स्थित शासकीय कृषि प्रक्षेत्र बेहरामार में नील-हरित शैवाल (ब्लू-ग्रीन एल्गी) के उत्पादन प्रक्रिया की शुरूआत हो चुकी है। यह पहल किसानों को किफायती दर पर जैविक उर्वरक उपलब्ध कराने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

नील-हरित शैवाल, जिसे वैज्ञानिक रूप से सायनोबैक्टीरिया कहा जाता है, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी है। यह प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन स्थिरीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से भूमि में पोषक तत्वों की पूर्ति करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके उपयोग से प्रति हेक्टेयर लगभग 25 से 30 किलोग्राम तक नाइट्रोजन की आपूर्ति संभव है, जिससे रासायनिक उर्वरकों की जरूरत कम पड़ती है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस जैव उर्वरक का उपयोग विशेष रूप से धान की फसलों में लाभकारी है। जलभराव वाले खेतों में नील-हरित शैवाल तेजी से विकसित होता है, जिससे धान उत्पादन में वृद्धि और गुणवत्ता में सुधार होता है। इसके अतिरिक्त, यह क्षारीय एवं बंजर भूमि की उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायक है। बेहरामार कृषि प्रक्षेत्र में शुरू किए गए इस उत्पादन केंद्र के माध्यम से किसानों को उचित मूल्य पर नील-हरित शैवाल उपलब्ध होगा। इससे न केवल खेती की लागत में कमी आएगी, बल्कि किसान जैविक खेती की ओर प्रेरित होंगे। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि जैव उर्वरकों के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य बेहतर होता है।

इस प्रयास से राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और सतत विकास के लक्ष्यों की ओर एक और ठोस कदम बढ़ा रही है।

बिहान : दृढ़ इच्छाशक्ति से सुरेखा बनी लखपति दीदी श्रृंगार सामग्री, किराना के साथ ही खोला फोटोकॉपी सेंटर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम धंवईपुर नवापारा से एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी सामने आई है, जो यह साबित करती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद दृढ़ संकल्प, अवसर और मेहनत के बल पर जीवन की दिशा बदली जा सकती है। सुरेखा जायसवाल की यह यात्रा संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक पहुंचने का उदाहरण है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। बिहान योजना के माध्यम से महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है।

10वीं तक शिक्षित सुरेखा एक सामान्य गृहिणी थीं। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी पति पर थी। पारीवारिक आय में योगदान देने की उनकी प्रबल इच्छा ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहान योजना से जुड़ना उनके जीवन का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। आस्था महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आत्मविश्वास के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिला।

समूह के माध्यम से उन्हें आरएफ मद से 10 हजार रुपये, सीआईएफ मद से 30 हजार रुपये तथा 'स्वयं सिद्धा' पहल के अंतर्गत 2 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें विभिन्न कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किए गए।

एफएलसीआरपी के माध्यम से बैंक से 1 लाख रुपये का ऋण प्राप्त कर उन्होंने श्रृंगार सामग्री की दुकान, किराना दुकान एवं फोटोकॉपी सेंटर की स्थापना की। आज उनकी वार्षिक आय लगभग 1 लाख 10 हजार रुपये तक पहुंच गई है और वे 'लखपति दीदी' के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुकी हैं।

सुरेखा जायसवाल न केवल अपने परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं, बल्कि घर के महत्वपूर्ण निर्णयों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उनकी सफलता अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो आत्मनिर्भर बनने का सपना देखती हैं।

मुंगेली जिला चिकित्सालय में एंडोस्कोप से निकाला 3 वर्षीय मासूम की आहार नली में फंसा हुआ सिक्का

श्रीकंचनपथ समाचार

मुंगेली। जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की सजगता और त्वरित चिकित्सा व्यवस्था से एक 03 वर्षीय मासूम की जान बचाने में बड़ी सफलता मिली है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि मुंगेली विकासखंड के ग्राम कोसमतरा निवासी 3 वर्षीय हिमांशी साहू ने खेल-खेल में एक सिक्का निगल लिया, जो उसके गले की आहार नली में सिक्का फंस गया। परिजनों ने तत्काल बच्ची को जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां एक्स-रे जांच में पुष्टि हुई कि बच्ची के गले की आहार नली में सिक्का फंसा हुआ है। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने बिना देर किए दूरबीन

(एंडोस्कोपिक) तकनीक से सफल ऑपरेशन कर बच्ची के गले से सिक्का सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सिविल सर्जन डॉ. एम.के. राय ने बताया कि समय पर मिली चिकित्सा सहायता से बच्ची सुरक्षित है और अब पूरी तरह स्वस्थ है। जिला चिकित्सालय के ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. कमलेश सत्यपाल, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार बेलदार एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मधु ध्रुव सहित पूरी टीम ने दूरबीन तकनीक से सफल ऑपरेशन कर बच्ची के गले से सिक्का सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बच्ची के परिजनों ने डॉक्टरों एवं अस्पताल प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

4821 कार्यों में 32072 श्रमिकों को मिल रहा काम

■ वीबी-ज़ी राम जी अंतर्गत ग्राम पंचायतो में रोजगार दिवस का आयोजन

बलौदाबाजार। जिले मे विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अंतर्गत रोजगार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। कुल 4821 कार्य संचालित है जिसमें 32072 श्रमिकों को काम मिल रहा है।

सभी विकासखंड के ग्राम पंचायतों में पंजीकृत श्रमिको को रोजगार उपलब्ध कराते हुए कार्यक्षेत्र पर रोजगार दिवस का आयोजन किया गया साथ ही विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन अधिनियम 2025 के प्रावधानों, लाभों और क्रियान्वयन के तरीकों के बारे में बताया गया। नया कानून 100 दिन की बजाय 125 दिन का गारंटीड

रोजगार प्रदान किया जाना शामिल है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अधिक अवसर, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण।

योजना में कार्यो की पारदर्शिता एवं जवाबदेही के लिए डिजिटलाईजेशन एवं टेक्नालाजी का उपयोग करते हुए जल सरंक्षण, भूजल पूर्नभरण, वाटरशेड विकास, सिंचाई, वनीकरण, एवं जल स्त्रोतो के कार्यो को बढ़ावा देना है। विकसित भारत -जी राम जी अधिनियम 2025 में जल संरक्षण एवं जल संबंधित कार्यो को बढ़ावा मिलेगा।

इस योजना से मूलभूत ग्रामीण अवसरंचना सुदृढ़ होगी। आजिविका के अवसर एवं अनुकूलन क्षमताओ का विकास होगा। योजना के तहत मजदूरी रोजगार गारंटी तथा 07 दिवस में मजदूरी भुगतान की गारंटी शामिल है। तय समय में काम नही मिलने पर बेरोजगारी भत्ता का प्रावधान है।

जिले के सभी जनपद पंचायतों के समस्त ग्राम पंचायतों में इस अधिनियम के अंतर्गत सभी कार्य अब ज़ीआईएस आधारित युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से योजना बनाकर क्रियान्वित किये जायेंगे जिससे विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के कार्यो को अधिक पारदर्शिता, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी तरीके से कराया जा सकेगा। सभी कार्यरत श्रमिको की उपस्थिति में क्यूआर कोड की जानकारी दी गई, जिसमें तीन वर्षो के महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत स्वीकृत कार्यो के साथ-साथ आय-व्यय की जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

25 हजार हेक्टेयर में बना लिया 'फायर अलर्ट' सिस्टम

■ तकनीक, तत्परता और जनसहभागिता से सुरक्षित हो रहे कवर्धा के वन

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कवर्धा परियोजना मंडल में वनों की सुरक्षा अब तकनीक और त्वरित कार्रवाई के समन्वय से और अधिक प्रभावी हो गई है। 25 हजार 436 हेक्टेयर के विशाल वन क्षेत्र, जो 25 बीटों में विभाजित है, की निगरानी के लिए 'फायर अलर्ट' सिस्टम सक्रिय किया गया है, जिससे आग की घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण संभव हो पा रहा है।

उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा (फॉरेस्ट मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) के माध्यम से सभी मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को

जोड़ा गया है। जैसे ही किसी क्षेत्र मंय आग लगने की सूचना मिलती है, संबंधित कर्मचारियों को तत्काल अलर्ट प्राप्त होता है और वे बिना विलंब मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पा लेते हैं।

अग्नि सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए मानव संसाधन और उपकरणों को भी सुदृढ़ किया गया है। प्रत्येक बीट में अग्नि सुरक्षा श्रमिकों की तैनाती की गई है, जो लगातार सतर्क रहते हैं। फायर सीजन शुरू होने से पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में फायर लाइन तैयार कर ली गई है, जिससे आग के फैलाव को रोका जा सके। साथ ही, सभी परिक्षेत्रों में आधुनिक फायर ब्लोअर उपलब्ध कराए गए हैं, जो त्वरित नियंत्रण में सहायक साबित हो रहे हैं। सूचना के त्वरित आदान-प्रदान के लिए सोशल मीडिया समूह भी बनाए गए हैं, जहां आग से संबंधित सूचना तुरंत साझा की जाती है। इसके साथ ही, वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को जागरूक कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है, जिससे सामूहिक प्रयासों से बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

अग्नि नियंत्रण के बाद की पूरी जानकारी विभागीय वेबसाइट पर दर्ज की जाती है, जिससे कार्यों में पारदर्शिता बनी रहती है। इन सभी प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। मार्च 2026 तक इस परियोजना मंडल में केवल 23 अग्नि प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें भी त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर शीघ्र काबू पा लिया गया। इससे वन संपदा और वन्य जीवों को होने वाली संभावित क्षति को न्यूनतम किया जा सका है।

कृषि महाविद्यालय में उज्बेकिस्ताान यात्रा पर संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में उज्बेकिस्तान यात्रा के प्रमुख निष्कर्षों को साझा करने एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के सतत प्रयासों का हिस्सा है।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुई। तत्पश्चात अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रोफेसर हुलास पाठक ने 28 फरवरी से 10 मार्च तक कुलपति के नेतृत्व में किए गए उज्बेकिस्तान भ्रमण के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विस्तार से बताया कि इस यात्रा के दौरान कृषि, एग्रीबिजनेस, ग्रामीण विकास, उद्यमिता एवं नवाचार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त हुईं तथा भविष्य में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ सामने आई हैं।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य

उज्बेकिस्तान यात्रा से प्राप्त अनुभवों को, विभागाध्यक्षों, विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों तक पहुँचाना तथा उन्हें अंतरराष्ट्रीय अवसरों के प्रति जागरूक करना था। साथ ही, छात्रों को वैश्विक स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण के अवसरों में भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अनुसंधान तंत्र से संबंधित संभावित सहयोग क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई। इसमें छात्र एवं संकाय विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ तथा विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी जैसे विषय प्रमुख रहे।

संगोष्ठी में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही वित्तीय सहायता योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। छात्रों को उड़ान योजना के तहत विदेशों में शोध एवं प्रशिक्षण के अवसरों तथा प्राध्यापकों को उत्कर्ष योजना के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग हेतु वित्तीय सहायता के बारे में अवगत कराया गया। इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक बाधाओं को कम करते हुए अधिक से अधिक शिक्षकों एवं छात्रों को वैश्विक मंच पर अवसर प्रदान करना है।

कार्यक्रम के दौरान कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने छात्रों को संबोधित करते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर आगे बढ़ने तथा छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अनुभव विद्यार्थियों के करियर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. के. दास ने छात्रों को अपनी क्षमता पहचानने एवं वैश्विक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकों एवं अधिकारियों ने भी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाकर अपने कौशल का विकास करें और विश्वविद्यालय तथा राज्य का गौरव बढ़ाएँ।

इस संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. संजय द्विवेदी द्वारा किया गया तथा अंत में डॉ. सुनील नायर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की वैश्विक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया।

कृषक उन्नति योजना : आमदनी बढ़ाने किसानों को अब तक 314 करोड़ से अधिक की सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की आय में वृद्धि एवं कृषि क्षेत्र में स्थायित्व लाने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कृषक उन्नति योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में राज्य के 25.28 लाख किसानों को 12 हजार करोड़ रूपए की आदान सहायता के रूप में प्रदाय किए गए।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा धान पर निर्भरता कम करते हुए किसानों को दलहनी, तिलहनी एवं मोटे अनाज सहित अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषक उन्नति योजना के प्रावधान के तहत उन किसानों को प्रोत्साहन दिया गया है, जिन्होंने धान के अतिरिक्त दलहनी-तिलहनी फसलें, कोदो-कुटकी, रागी, मक्का एवं कपास जैसी फसलों का

उत्पादन किया है।

श्री नेताम ने बताया कि कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत राज्य के 3 लाख 6 हजार 685 किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से कुल 311 करोड़ 87 लाख 79 हजार रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान की गई है। यह सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की गई है, जिससे उन्हें खेती की लागत में राहत मिली है। इसके अतिरिक्त, जिन किसानों ने पारंपरिक धान की खेती को छोड़कर पूर्ण रूप से वैकल्पिक फसलों को अपनाया है, उन्हें विशेष प्रोत्साहन के तहत 11 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से सहायता दी गई है। इस श्रेणी में 2 हजार 235 किसानों को कुल 2 करोड़ 72 लाख 97 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है। इस प्रकार, कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत कुल 314 करोड़ 60 लाख 76 हजार रुपये की राशि किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित कर उन्हें सशक्त बनाया गया है।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा है कि राज्य सरकार की यह पहल न केवल किसानों की आय में वृद्धि कर रही है, बल्कि कृषि क्षेत्र में संतुलन, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ खेती को भी बढ़ावा दे रही है। फसल विविधीकरण से जहां एक ओर किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर भूमि की उर्वरता में भी सुधार हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह दूरदर्शी नीति किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है।

जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की खुलकर बातचीत

कहा - 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं'

जान्हवी कपूर ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने बॉयफ्रेंड के पास सबसे सुरक्षित महसूस होता है। जानिए एक्ट्रेस ने और क्या कुछ कहा।

जान्हवी कपूर हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म में नजर आईं थी। इनमें उनके साथ वरुण धवन, रोहित शरफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आए थे। राज शमानी को दिए इंटर्व्यू में जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की, और बताया कि उन्हें बॉयफ्रेंड के साथ कितना सुरक्षित और अपनापन महसूस होता है।

कौन हैं जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड?

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वे अक्सर पार्टी, फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ नजर आते हैं। हाल ही में राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर चर्चा की।

उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं

जान्हवी ने शिखर के बारे में बात करते हुए कहा, 'प्यार की वजह से मैं उनके साथ खुद का सबसे सच्चा वर्जन बन पाती हूं। मुझे एक ऐसा सुरक्षित एहसास मिला है, जहां मैं अपने दिल की बात सुन सकती हूं और उस पर भरोसा कर सकती हूं। उनकी मौजूदगी हमेशा मुझे यही एहसास देती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं। यह एक ऐसी जगह है जहां मैं बिना किसी झिझक के खुद रह सकती हूं। उनके साथ मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है।'

शिखर पहाड़िया के बारे में

शिखर पहाड़िया, पूर्व गृह मंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। उनकी मां स्मृति शिंदे एक एक्ट्रेस हैं। उनके बड़े भाई वीर पहाड़िया ने हाल ही में फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार, निम्रत कौर और सारा अली खान भी नजर आए।

जाह्नवी कपूर का अगला प्रोजेक्ट

वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही लक्ष्य और टाइगर श्रोफ के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की अगली एक्शन फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू हो चुकी है, जिसे राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं।

'है जवानी तो इश्क होना है' का सामने आया लुक

वरुण धवन-पूजा का दिखा रोमांटिक अंदाज

वरुण धवन ने अपनी आगामी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के सेट की एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर पर जान्हवी कपूर ने कमेंट कर फैंस का दिल जीत लिया है। वरुण धवन और पूजा हेगड़े की नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' कथित तौर पर मई महीने में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन रिलीज से पहले मंगलवार को वरुण धवन ने फिल्म की शूटिंग की एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वरुण और पूजा नदी के किनारे रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। जिस पर जान्हवी कपूर ने एक खास कमेंट किया है। इस तस्वीर में वरुण अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ रोमांटिक पोज देते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ वरुण धवन ने कैप्शन में लिखा, 'इश्क सिर्फ एक बार होता है।'

जान्हवी का कमेंट

वरुण की इस तस्वीर पर जान्हवी कपूर ने मजाकिया कमेंट किया। जान्हवी ने लिखा, 'लेकिन आप कैप्शन में क्यों चिल्ला रहे हैं?' जान्हवी कपूर और वरुण धवन पहले 'बवाल' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' जैसी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं।

क्या सलमान की फिल्म से है कनेक्शन?

'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का शीर्षक फिल्म 'बीवी नंबर 1' के गाने 'इश्क सोना है' से लिया गया है, जिसमें सलमान खान और सुष्मिता सेन ने अभिनय किया था। तस्वीर के बैकग्राउंड में 1999 की पुरानी फिल्म 'इश्क सोना है' का गाना बज रहा है।

'है जवानी तो इश्क होना है' के बारे में

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग पिछले साल शुरू हुई थी। पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर ऋषिकेश से वरुण के साथ गंगा आरती की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे। फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी कर रहे हैं। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पूजा हेगड़े की आखिरी फिल्म 'देवा' थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। वरुण धवन आखिरी बार 'बॉर्डर 2' में नजर आए थे।

'कॉकटेल 2' के गाने 'जब तलक' का फर्स्ट लुक रिलीज, निराश हुए फैंस....

बोले- 'ये तो पहले ही देख लिया था'

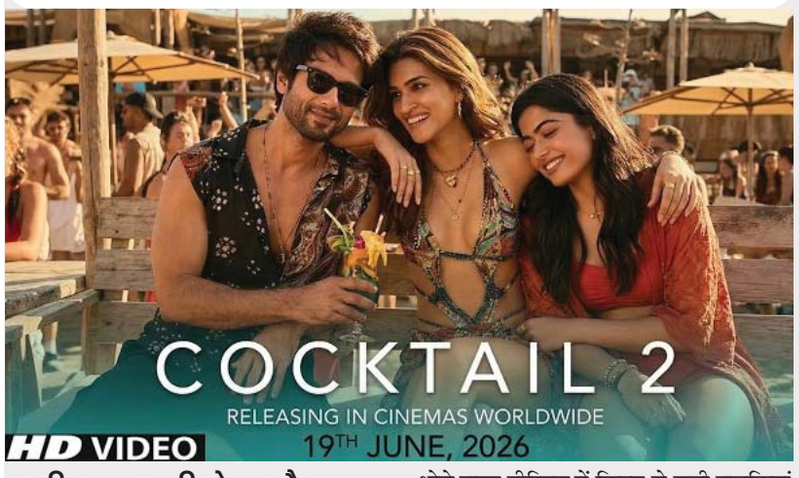

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जल्द ही 'कॉकटेल 2' में नजर आने वाले हैं। इस बीच मेकर्स ने फिल्म के गाने 'जब तलक' की झलक फैंस के साथ शेयर की है। जानिए पोस्ट में क्या है खास।

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में हैं। मेकर्स थोड़े-थोड़े टाइम पीरियड में फिल्म से जुड़ी झलकियां फैंस के साथ शेयर कर रहे हैं। इस बीच आज भी उन्होंने फिल्म के गाने 'जब तलक' का लुक शेयर किया है। हालांकि इससे फैंस ज्यादा खुश नजर नहीं आए।

पार्टी मूड में दिखे एक्टर्स

मेकर्स के साथ फिल्म के एक्टर्स ने भी इस गाने का लुक शेयर किया। शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर इसे शेयर कर लिखा- 'इस समर और भी ज्यादा गर्मी पड़ने वाली है।' गाने के क्लिप में तीनों एक्टर्स काफी कूल लुक में नजर आए, साथ ही इंजॉए करते हुए और पार्टी करते दिखाई दिए। गाने की क्लिप देखकर लग रहा है कि मूवी दोस्ती, प्यार और पागलपन के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो गाने के लुक में भी मेकर्स ने लिखा। गाने से पहली 'कॉकटेल' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' फिल्म की मस्ती की झलक दिखाई दी।

गाने के लुक से फैंस हुए निराश

हालांकि ये क्लिप सामने आने के बाद फैंस ज्यादा खुश नहीं दिखाई दिए। बता दें कि ये क्लिप थिएटर्स में पहले रिलीज हो चुका था, जिसके बाद इस लुक में मेकर्स ने कुछ अलग नहीं किया। इसी को लेकर लोग नाराज हो गए, और कमेंट में इस बात का जिक्र करने लगे।

उन्होंने लिखा कि ये तो हम पहले ही थिएटर में देख चुके थे, फिर इसकी इतनी हाइप क्यों बनाई। कई यूजर्स ने इस बात का जिक्र करते हुए कमेंट किया और इसे निराशाजनक बताया।

फिल्म 'कॉकटेल 2' की रिलीज डेट

यह फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है। 'कॉकटेल 2' साल 2012 में आई फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल है। 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना जैसे एक्टर लीड रोल में हैं।

'भूत बंगला' में कैसे मिला मिथिला पालकर को रोल? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

एक्ट्रेस मिथिला पालकर आने वाली फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि भूत बंगला में रोल कैसे मिला। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में हॉरर-कॉमेडी का दमदार बेलेंस देखने को मिल रहा है।

साथ ही ट्रेलर में एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी दिखाईं दीं। अब उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन की इस फिल्म में रोल कैसे मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर किया खुलासा

दरअसल, मिथिला पालकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि वो कल्याणी प्रियदर्शन थीं, जिन्होंने अपने पिता प्रियदर्शन को मिथिला के बारे में बताया।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक अपॉर्चुनिटी, जो कभी मैंने सोची भी नहीं थी। कल्याणी की बहुत आभारी, जिनके बिना ये आइडिया पहुंच भी नहीं पाता। और प्रियन सर, आपका भरोसा करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको बता नहीं सकती कि इस फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा। बहुत-बहुत आभारी। दर्शकों का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने ट्रेलर को इतना प्यार दिया। मैं इंतजार नहीं कर सकती आप लोगों का फिल्म देखने के लिए।

मिथिला की इस पोस्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने कमेंट किया और कहा कि उन्होंने बस अपने पिता को बताया कि वे मिथिला की फैन हैं, और उससे ज्यादा कुछ नहीं किया। बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन भी एक्ट्रेस हैं, और साउथ की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कब रिलीज होगी भूत बंगला?

बता दें कि फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और एक्टर अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद फिर से साथ आने वाली है। अक्षय के अलावा इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी अहम किरदार में नजर आएंगे।

थलापति विजय संग रिश्ते की खबर के बीच फिल्मों से संन्यास लेंगी तृषा कृष्णन?

अभिनेत्री तृषा कृष्णन कुछ दिनों से अभिनेता थलापति विजय के साथ अपने कथित संबंधों को लेकर चर्चा में हैं। यह अलग बात है कि दोनों में से किसी ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी। इस बीच, खबरें आईं कि तृषा फिल्मों से संन्यास ले रही हैं। वह किसी अमीर व्यवसायी के साथ शादी करने वाली हैं। इन तमाम अटकलों पर आखिरकार तृषा ने चुप्पी तोड़ी और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए पोस्ट साझा किया है।

तृषा ने सोशल मीडिया पर उन्हें लेकर लगाई जाने वाली तमाम अटकलों का मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने लिखा, लगता है कि मैंने फिल्में छोड़ दी हैं। किसी अमीर व्यवसायी से शादी कर ली है और 4 बच्चों की मां भी बन गई हूं, जो कल ही 2 साल के हो गए! क्या कुछ और जोडना़ बाकी है या सारा मनगढ़ंत कोटा आज ही पूरा हो गया? अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट से तमाम अफवाहों पर ब्रेक लगा दिया है।

बीते कुछ महीनों से विजय और तृषा के बीच कथित रिश्ता होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। इन चर्चाओं को हवा तब मिली जब अभिनेता की पत्नी संगीता सोरनलिंगम ने उन्हें तलाक देने की बात कही थी। यही नहीं, संगीता ने विजय पर किसी अभिनेत्री के साथ अवैध संबंध हो का जिक्र भी किया था। काम की बात करें, तो तृषा को आने वाले दिनों में फिल्म करुप्पु में देखा जाएगा। इसमें उनके साथ सूर्या नजर आएंगे।

स्प्रे बनाम क्रीम : गर्मियों के दौरान कौन-सी सनस्क्रीन करती है धूप से बेहतर बचाव?

सनस्क्रीन का उपयोग सूरज की हानिकारक किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किया जाता है। यह विभिन्न रूपों में उपलब्ध है, जिनमें स्प्रे और क्रीम सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। गर्मियों में ज्यादातर लोग क्रीम सनस्क्रीन को प्राथमिकता देते हैं, वहीं कुछ लोगों को स्प्रे वाला विकल्प समझ आता है। आइए जानते हैं कि गर्मियों के लिए कौन-सी सनस्क्रीन धूप से बेहतर बचाव कर सकती है और त्वचा की देखभाल में मदद कर सकती है।

स्प्रे सनस्क्रीन के लाभ

स्प्रे सनस्क्रीन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे लगाना बहुत आसान होता है। जब आप बाहर हों या जल्दी में हों तो इसे चेहरे और शरीर पर आसानी से छिड़ककर लगाया जा सकता है। यह जल्दी सूख जाती है और चिपचिपाहट महसूस नहीं होती, जो इसे गर्मियों के लिए आदर्श बनाता है। यह आपके मेकअप को भी खराब नहीं करती और आसानी से त्वचा में समा जाती है।

क्रीम सनस्क्रीन के लाभ

क्रीम सनस्क्रीन भी अपने आप में खास होती है। यह गहराई तक त्वचा में समाती है और लंबे समय तक असरदार रहती है। अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं या स्विमिंग करते हैं तो क्रीम सनस्क्रीन अधिक प्रभावी हो सकती है। यह त्वचा को नमी प्रदान करती है और सूखने का डर नहीं रहता। इसके अलावा इसका असर लंबे समय तक बना रहता है, जिससे आपको अधिक सुरक्षा मिलती है।

स्प्रे बनाम क्रीमः क्या है अंतर?

स्प्रे और क्रीम सनस्क्रीन, दोनों ही सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करती हैं। हालांकि, इनके फार्मूले अलग होते हैं। स्प्रे सनस्क्रीन में हल्का फॉर्मूला होता है, जो त्वचा पर जल्दी अवशोषित हो जाता है। वहीं क्रीम सनस्क्रीन का फॉर्मूला गाढ़ा होता है, जो त्वचा को गहराई तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा स्प्रे सनस्क्रीन जल्दी सूख जाती है, जबकि क्रीम सनस्क्रीन को सूखने में थोड़ा समय लगता है।

मौसम का रखें ध्यान

मौसम भी सनस्क्रीन चुनते समय अहम भूमिका निभाता है। गर्मियों में जब तापमान ज्यादा होता है और पसीना आता है तो स्प्रे सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि इसे लगाना आसान होता है और यह जल्दी सूख जाती है। वहीं सर्दियों में जब हवा सूखी होती है और त्वचा को अधिक नमी की जरूरत होती है तो क्रीम सनस्क्रीन बेहतर विकल्प हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान करती है।

त्वचा का प्रकार भी है अहम

आपकी त्वचा का प्रकार भी इस बात पर असर डालता है कि कौन-सी सनस्क्रीन बेहतर होगी। अगर आपकी त्वचा तैलीय प्रकार की है तो स्प्रे सनस्क्रीन बेहतर रहेगी, क्योंकि यह फुंसियों से बचाने में मदद करती है। वहीं सूखी त्वचा वालों के लिए क्रीम सनस्क्रीन अधिक उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि यह त्वचा को नमी प्रदान करती है। संवेदनशील त्वचा वालों को भी क्रीम सनस्क्रीन अधिक सुरक्षित लग सकती है।

खास खबर

मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप से आईआईएम रायपुर में निःशुल्क एमबीए

कोरबा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के युवाओं को उच्च शिक्षा और बेहतर करियर से जोड़ने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सुशासन फेलोशिप के तहत एक विशेष पहल की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर में दो वर्षीय एमबीए इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस कोर्स करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए आईआईएम रायपुर के प्रतिनिधियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। इसी क्रम में संस्थान के प्रतिनिधि बिनॉय और एस.एन. मंडल ने कोरबा जिले के प्रमुख महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को कोर्स के सम्बंध में बताते हुए पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी गई है। टीम द्वारा कोरबा के ई. विश्वेश्वरैया पीजी कॉलेज, मिनीमाता कन्या महाविद्यालय, अग्रसेन कन्या महाविद्यालय तथा कमला नेहरू कॉलेज में विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें योजना के लाभ बताए गए। साथ ही फेलोशिप की व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु पाम्पलेट भी वितरित किए गए।

भीषण गर्मी में राहतः गांव-गांव पहुंचकर मरम्मत दल कर रहे हैंडपंप दुरुस्त

एमसीबी। जिले में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते जल संकट के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा राहत पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में खराब एवं बंद पड़े हैंडपंपों के संधारण एवं मरम्मत कार्य को प्राथमिकता देते हुए विभाग की टीमों को सक्रिय किया गया है, जो लगातार गांव-गांव पहुंचकर त्वरित सुधार कार्य कर रही हैं। तेज धूप और जल की बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग द्वारा विशेष रणनीति के तहत मरम्मत दलों का गठन किया गया है। ये दल सुबह से ही फील्ड में पहुंचकर हैंडपंपों की जांच, मरम्मत एवं आवश्यक पुर्जों के प्रतिस्थापन का कार्य कर रहे हैं, ताकि किसी भी गांव में पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो। विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि खराब हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द चालू किया जाए।

चार जिले के सहायक आयुक्त को शो-कॉज नोटिस

मरम्मत, रंग-रोंगन, बिजली, पानी की समुचित व्यवस्था कराने सहायक आयुक्तों को दो माह की मोहलत, आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आज मंत्रालय में प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं, आय-व्यय तथा आगामी कार्ययोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्यों की गहन समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने विभागीय योजनाओं में बेहतर कार्य करने वाले जिलों की सराहना की, वहीं विभिन्न मदों के बजट आबंटन को सदुपयोग न करने वाले चार जिले बलौदाबाजार, बेमेतरा, जशपुर और बिलासपुर के सहायक आयुक्तों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने आगामी शैक्षणिक सत्र को ध्यान में रखते हुए आश्रम छात्रावासों की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। श्री बोरा ने निर्देशित किया कि अगले दो महीनों में छात्रावासों के मरम्मत, रंग-रोगन, शौचालय, पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कर लिया जाए। साथ ही छात्रावासों में अग्निशमन यंत्र और सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए।

उन्होंने प्रोजेक्ट संकल्प के तहत विद्यार्थियों के सांस्कृतिक, मानसिक एवं नैतिक विकास को और मजबूत करने के लिए ध्यान और योग को भी शामिल करने की बात कही। इसके अलावा, सेप्टिक टैंकों की सफाई मैनुअल तरीके से न कराकर, नगरीय निकायों के माध्यम से सक्शन मशीनों से कराने के निर्देश दिए।

बैठक में छात्रवृत्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष जताया गया। बताया गया कि नई व्यवस्था के तहत पिछले सत्र में 3.3 लाख विद्यार्थियों को माह दिसम्बर तक छात्रावृत्ति की 72 प्रतिशत राशि और 99 प्रतिशत राशि 31 मार्च तक, सुगमतापूर्वक समय पर सीधे विद्यार्थियों के खातों में हस्तांतरित की गई। इस व्यवस्था को और पारदर्शी बनाने के लिए जल्द ही पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत विद्यार्थियों को हार्ड कॉपी जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी और फर्जीवाड़े पर भी रोक लगेगी।

वन अधिकार अधिनियम की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का 15 दिनों के भीतर ग्राम सभाओं के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्वीकृत परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि नए आश्रम, छात्रावास भवन बनाने का प्रस्ताव भेजने से पहले स्थल निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए, ताकि भविष्य में विवाद की स्थिति न बने। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर क्षेत्र में पूर्व प्रस्तावित छात्रावासों का निर्माण अब प्राथमिकता से किया जाए।

बैठक में एकलव्य एवं प्रयास आवासीय विद्यालयों में एक भी सीट खाली न रहने के निर्देश दिए गए। साथ ही जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत उत्कृष्ट विद्यालयों के चयन पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, पीएम जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष, देवगुड़ी एवं अखरा विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में संयुक्त सचिव श्री बी.के. राजपूत, श्री अनुपम त्रिवेदी, वित्तीय सलाहकार श्री नीरज मिश्रा, अपर संचालक श्री संजय गौड़, श्री जितेंद्र गुप्ता, श्री आर.एस. भोई सहित विभागीय अधिकारी एवं सभी जिलों के सहायक आयुक्त उपस्थित रहे।

फसल विविधीकरण से समृद्धि की ओर बढ़ते कदम

किसानों को 314 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की आय में वृद्धि एवं कृषि क्षेत्र में स्थायित्व लाने के उद्देश्य से फसल विविधीकरण को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कृषक उन्नति योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में राज्य के 25.28 लाख किसानों को 12 हजार करोड़ रूपए की आदान सहायता के रूप में प्रदाय किए गए।

राज्य सरकार ने धान पर निर्भरता कम करते हुए किसानों को दलहनी, तिलहनी एवं मोटे अनाज सहित अन्य लाभकारी फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। योजना के तहत उन किसानों को प्रोत्साहन दिया गया है, जिन्होंने धान के अतिरिक्त दलहनी-तिलहनी फसलें, कोदो-कुटकी, रागी, मक्का एवं कपास जैसी फसलों का उत्पादन किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत राज्य के 3 लाख 6 हजार 685 किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से कुल 311 करोड़ 87 लाख 79 हजार रुपये की आदान सहायता राशि प्रदान की गई है। यह सहायता सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की गई है, जिससे उन्हें खेती की लागत में राहत मिली है। इसके अतिरिक्त, जिन किसानों ने पारंपरिक धान की खेती को छोड़कर पूर्ण रूप से वैकल्पिक फसलों को अपनाया है, उन्हें विशेष प्रोत्साहन के तहत 11 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से सहायता दी गई है। इस श्रेणी में 2 हजार 235 किसानों को कुल 2 करोड़ 72 लाख 97 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है।

इस प्रकार, कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत कुल 314 करोड़ 60 लाख 76 हजार रुपये की राशि किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है।

राज्य सरकार की यह पहल न केवल किसानों की आय में वृद्धि कर रही है, बल्कि कृषि क्षेत्र में संतुलन, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ खेती को भी बढ़ावा दे रही है। फसल विविधीकरण से जहां एक ओर किसानों को बाजार में बेहतर मूल्य मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर भूमि की उर्वरता में भी सुधार हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह दूरदर्शी नीति किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है।

सुकमा में किसानों को बड़ी राहत, निर्धारित दर पर मिलेगा गुणवत्तायुक्त उर्वरक

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले के किसानों को समय पर निर्धारित दर पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त और प्रभावी कदम उठाए गए हैं। उर्वरक की कालाबाजारी, जमाखोरी, गैर कृषि उपयोग, अधिक कीमत पर विक्रय एवं अमानक उर्वरकों की बिक्री जैसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। यदि कोई व्यक्ति या फर्म उर्वरक संबंधी अवैध कार्यवाही में संलिप्त पाई जाती है तो उसके विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की सुविधा हेतु नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) गठित किसानों की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने और जिले में बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक का सुचारू वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। इस कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 07864284151 जारी किया गया है, जिस पर किसान अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं। जिला प्रशासन का यह कदम किसानों के हित में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब उर्वरक की उपलब्धता, गुणवत्ता और उचित मूल्य पर विक्रय को लेकर सतत निगरानी की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि यदि कहीं भी अधिक कीमत पर उर्वरक बिक्री, जमाखोरी या अमानक उर्वरक की शिकायत मिले तो तत्काल नियंत्रण कक्ष में सूचना दें, ताकि दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की जा सके।

14 अप्रैल से शुरू होगा स्वस्थ बस्तर अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। जिले में स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत सार्वभौमिक स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम की शुरुआत 14 अप्रैल से की जाएगी। इस अभियान का शुभारंभ 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा किया जाएगा। अभियान स्वस्थ रहिबो, निरोग रहिबो थीम पर आधारित है, जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य टीमों द्वारा घर-घर जाकर जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिले में इस अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति की समय पर स्वास्थ्य जांच, बीमारियों की पहचान तथा आवश्यक उपचार एवं रेफरल के माध्यम से स्वस्थ बस्तर का निर्माण करना है।

यह अभियान एक माह तक संचालित किया जाएगा, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। जांच के पश्चात जरूरत अनुसार तत्काल उपचार एवं रेफरल की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार किया जाएगा तथा संक्रामक एवं गैर-संक्रामक रोगों की पहचान, एनीमिया और कुपोषण की जांच एवं उपचार सुनिश्चित किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिले को कुल 6,91,927 लोगों की जांच का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विकासखंड स्तर पर माइक्रो प्लान तैयार किया गया है। जिले के 173 उप स्वास्थ्य केंद्रों से प्रत्येक गांव में एक-एक टीम गठित की गई है, जिसमें सीएचओ, आरएचओ और मितानिन शामिल होंगे।

योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को समय पर मिलेः मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में आयोजित बैठक में विभागीय कार्यों की व्यापक समीक्षा करते हुए डिजिटल मॉनिटरिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। इस अवसर पर उन्होंने 'प्रेलिमिनरी ऑफेंस रिपोर्ट (पीओआर)' प्रणाली का शुभारंभ किया।

इसकी सहायता से वन अपराधों की निगरानी और कार्रवाई में पारदर्शिता एवं गति आएगी। वन मंत्री कश्यप ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सिर्फ योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, उनका असर जमीन पर दिखना चाहिए। उन्होंने विभाग को रोजगार सृजन, वन आधारित उद्योगों के विस्तार और राज्य की पहचान मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम करने के लिए प्रेरित किया। बैठक में मुख्य वन संरक्षक एवं वन मंडलाधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं, विशेषकर कैम्पा कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री श्री कश्यप ने स्पष्ट कहा कि अब योजनाओं का असर धरातल पर दिखना चाहिए और हर पात्र हितग्राही तक समय पर लाभ पहुंचाना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के सभी स्वीकृत कैम्पा कार्यों का 100 प्रतिशत व्यय सितंबर 2026 तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। किसी भी स्थिति में फंड लैप्स स्वीकार्य नहीं होगा।

भूमि संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए लैंड बैंक व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया, ताकि विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। वहीं, वन्य प्राणी प्रबंधन योजना में गुणवत्ता सुधार, व्यय वृद्धि तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए शीघ्र नई गाइडलाइन जारी करने तथा पीपीपी मॉडल के माध्यम से पर्यटन को गति देने पर बल दिया गया। तेंदूपत्ता संग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें उचित मूल्य एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बस्तर क्षेत्र जो माओवाद के प्रभाव से मुक्त हो गया है। वहां पर भी वन अमले की उपस्थिति दिखनी चाहिए और रोजगारमूलक कार्यों को बढ़ावा देने के साथ-साथ कूपों की कटाई कराने तथा अमले की आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिक से अधिक वनोपज पर आधारित रोजगार मूलक कार्य गतिविधियों को बढ़ाने की बात कही। साथ ही वन क्षेत्रों में लघु वनोपज का शत-प्रतिशत संग्रहण सुनिश्चित करने, इको टूरिज्म सहित रोजगारमूलक और प्रसंस्करण संबंधी कार्य को प्राथमिकता से करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को सशक्त बनाने के 11 वर्ष पूर्ण किए

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्रीनरेन्द्री मोदी द्वारा 8 अप्रैल, 2015 को शुभारंभ की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) भारत के जमीनी स्तर के उद्यमियों को सशक्त बनाने में 11 वर्षों की सफलता का उत्सव मना रही है। इस पहल का उद्देश्य वित्तीय पहुंच में वर्तमान अंतर को कम करना है, जिसके अंतर्गत गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि आय सृजन गतिविधियों के लिए लघु व्यवसायों को समर्थन देने हेतु 20 लाख रुपये तक के सरल, आसान और बिना गारंटी वाले ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम औद्योगिक इकोसिस्टम का आधार हैं और यह प्रमुख निगमों के लिए आवश्यक भागीदार के रूप में कार्य करते हुए संतुलित आर्थिक विकास को गति प्रदान करते हैं। नए उद्योगों में विस्तार और उत्पादन में सुधार करके, ये उद्यम स्थानीय उपभोक्ताओं और वैश्विक बाजारों दोनों की आवश्यकताओं को प्रभावी ढंग से पूरा कर रहे हैं। डिजिटल नवाचारों और डेटा एनालिटिक्स की सहायता से छोटे व्यवसायों के लिए पूंजी जुटाना आसान हो गया है, जिससे व्यावसायिक वित्तपोषण का परिदृश्य तेजी से विकसित हुआ है। इस प्रगति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पीएमएमवाई है, जो एक रणनीतिक सरकारी पहल है और यह वित्तपोषितों को वित्तपोषित करना के अपने मिशन के लिए जानी जाती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ऋण उन लोगों तक पहुंचे जो पारंपरिक रूप से औपचारिक बैंकिंग प्रणालियों से वंचित रहे हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के 11वें सफल वर्ष के अवसर पर, केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले दशक में, भारत ने एक ऐसा परिवर्तन देखा है जहां करोड़ों आम नागरिकों ने नए आत्मविश्वास और सक्रियता के साथ उद्यमशीलता के क्षेत्र में कदम रखा है। इसके केंद्र में प्रधानमंत्री द्वारा 8 अप्रैल, 2015 को शुभारंभ की गई एक पहल, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना है, जिसका उद्देश्य 'वित्तपोषित न होने वाले क्षेत्रों को वित्तपोषित करना' था। निर्मला सीतारमण ने कहा कि 11 बाद, यह योजना देश में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अनगिनत व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए ऋण परिदृश्य को नया रूप देने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। ये वही उद्यमी हैं जो अब तक औपचारिक बैंकिंग प्रणाली के परिदृश्य बाहर थे। इस पहल से, ऋण तक पहुंच की बाधाओं को हटाकर उद्यमिता का सही मायने में लोकतंत्रीकरण हुआ है। लाखों लोगों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को साकार करने में पीएमएमवाई की भूमिका का उल्लेख करते हुए, केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि कुल मिलाकर 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40.07 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को स्वीकृत किए गए हैं। लगभग एक-पांचवां हिस्सा पहली बार उद्यम शुरू करने वाले उद्यमियों को दिया गया है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो, नए उद्यमियों को 12 लाख करोड़ रुपये की राशि के साथ 12.15 करोड़ ऋण दिए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस योजना को आम आदमी तक पहुंचाने और इसे शानदार सफलता दिलाने के लिए बैंकों, विभिन्न वित्तीय संस्थानों और हितधारकों की सराहना भी की। निर्मला सीतारमण ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी रखेगी ताकि वे 2047 तक विकसित भारत बनने की हमारी राष्ट्र की यात्रा में सक्रिय भागीदार बन सकें। वित्तीय समावेशन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है, क्योंकि यह समावेशी विकास हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीएमएमवाई छोटे उद्यमियों को बैंकों, गैर-सरकारी वित्तीय संस्थानों और लघु एवं शिशु वित्त संस्थानों से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, जिससे ऋण समावेशन को बढ़ावा मिलता है।

लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का समय सीमा में करें निराकरण-कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को साप्ताहिक समय -सीमा की बैठक में राज्य और केंद्र शासन की.विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने भूमिगत जल के रिचार्ज हेतु सभी शासकीय भवनों में सोखता गड्ढा और रेन वाटर हार्वेस्टिंग की संरचनाएँ निर्मित करने और जन भागीदारी से जल संचयन के कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया

कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नहरों के आसपास भी ऐसी संरचनाएं निर्मित करें जो पानी रोककर भूमिगत जल रिचार्ज में सहायक हों।उन्होंने खेतों के सबसे निचले क्षेत्र में भी जल संरक्षण की संरचना बनाने के निर्देश दिए हैं। श्री शर्मा ने आंगनवाड़ी,शासकीय और निजी स्कूलों में भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग और सोखता पिट निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में जन जागरूकता हेतु अधिक से अधिक प्रचार प्रस्ताव के साथ आम नागरिकों से इस कार्य में सहयोग की अपील भी की है । जल संचयन की संरचनाओं के गुणवत्ता पूर्ण निर्माण में बाद उसकी फेटो और अनिवार्य जियो टैगिंग के भी निर्देश उन्होंने दिए।

बैठक में उन्होंने लोक सेवा गारंटी के तहत विभिन्न प्रकरणों के समय सीमा में निराकरण और पोर्टल में तत्काल एंट्री के निर्देश भी दिए हैं,ऐसा न करने पर संबंधित अधिकारी -कर्मचारी पर लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी । उन्होंने राजस्व पखवाड़े में पटवारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश देते हुए मामलों का ऑन द स्पॉट निराकरण करने को कहा है। श्री शर्मा ने जनगणना के कार्यों को संवेदनशीलता और कर्मठता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।उन्होंने कहा जनगणना सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शासकीय ज़मीन पर अतिक्रमण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने भूराजस्व संहिता के तहत कठोर कार्रवाई के निर्देश सभी अनुविभागीय अधिकारियों को दिए हैं।प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भूमिहीन नागरिकों को भी लाभान्वित किया जाना है। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को पंचायत स्तर पर आबादी भूमि का चिन्हांकन कर भूमिहीनों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए हैं।

खास खबर

स्कूटी सवार लड़कियों को ठोकर मारने के बाद अनियंत्रित पिकअप पलटी

जगदलपुर। दलपत सागर मार्ग पर बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया। पिकअप के चालक ने स्कूटी सवार दो लड़कियों को ठोकर मार दी। उसके बाद कुछ ही दूरी पर पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जाकर पलट गई। गणीमत रही कि पिकअप दलपत सागर में नहीं गिरी। इस स्थिति में ज्यादा नुकसान होने से इंकार नहीं किया जा सकता। दुर्घटना में लड़कियों को कुछ चोटें पहुंची है। पिकअप सवार दोनों लड़कों को भी चोट लगने की खबर है। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। सिटी कोतवाली टीआई लीलाधर राठोर ने बताया कि सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची है। पिकअप को खाई से निकाला जाएगा। आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रेत माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा, 4 वाहन जब्त

जांजगीर-चांपा। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रेत माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई की है। चांपा थाना क्षेत्र के हाथनेवरा घाट और पिपरदा घाट में छापेमारी कर अवैध रेत परिवहन में लगे 3 हाइवा और 1 ट्रैक्टर को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान पिपरदा और हाथनेवरा घाट पर बिना चालक के खड़े हाइवा वाहन भी मिले, जिनके खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि चांपा, बिर्रा और बम्हनीडीह क्षेत्र के नदी घाटों से बड़े पैमाने पर अवैध रेत उत्खनन कर सीमावर्ती जिलों में परिवहन किया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप के मार्गदर्शन में गठित संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर यह कार्रवाई की। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

पामगढ़ में नाबालिग से मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करे हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, 7 अप्रैल 2026 को पीड़िता ने थाना पामगढ़ में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि सुबह करीब 8:10 बजे वह अपने घर के सामने खड़ी होकर अपनी चाची से बातचीत कर रही थी। इसी दौरान गांव का ही निवासी हरिओम प्रजापति (31 वर्ष) वहां पहुंचा और गाली-गलौच करने लगा। विरोध करने पर आरोपी उसके पीछे-पीछे घर में घुस गया और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पामगढ़ पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर आरोपी को हिरासत में लिया। आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

एयरगन से दो लंगूरों को मारी-गोली

चना-फसल खराब करने के शक में ग्रामीण ने किया शिकार, एक शव दफनाया, दूसरे को कुत्तों ने नोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के धमधा क्षेत्र स्थित ग्राम दनिया (बोरी) में दो लंगूरों की एयरगन से गोली मारकर हत्या की गई। चना फसल को नुकसान पहुंचाने के संदेह में ग्रामीण ने बंदरों पर गोली चला दी। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जानकारी के अनुसार 7 अप्रैल को वन विभाग और पुलिस प्रशासन की टीम ने ग्राम दनिया में कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि गांव निवासी अजय पटेल ने एयरगन से दो लंगूरों को गोली मारी। गोली लगने से दोनों बंदरों की मौके पर ही मौत हो गई।

चना फसल खराब करने का शक

बताया जा रहा है कि आरोपी को शक था कि लंगूर उसकी चना फसल को नुकसान पहुंचा रहे थे। इसी वजह से उसने एयरगन से उन पर गोली चला दी। घटना के बाद एक बंदर के शव को जमीन में दफना दिया गया, जबकि दूसरे बंदर का शव खुले में छोड़ दिया गया, जिसे बाद में कुत्तों ने नोच डाला।

मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। टीम ने गांव में पूछताछ कर आरोपी को पकड़ लिया। मौके से एयरगन और बंदर का शव बरामद किया गया।

मृत बंदर हनुमान लंगूर प्रजाति के थे

वन विभाग ने बताया कि मृत बंदर हनुमान लंगूर प्रजाति के थे, जो वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-2 में शामिल हैं। इस प्रजाति का शिकार करना कानूनन अपराध है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि बंदर की मौत एयरगन के छर्रे लगने से हुई।

वन विभाग ने आरोपी अजय पटेल के खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 39 और 51 के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 6983/17 दर्ज किया। इसके बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में लेकर 21 अप्रैल तक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

स्कूल की छत से गिरकर युवक की मौत, शादी से लौटे थे दोनों भाई

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। जिले के उरगा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक युवक की स्कूल की छत से गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान तनिष्क कर्ष (20 वर्ष) के रूप में हुई है, जो अपने बड़े भाई के साथ स्कूल की छत पर सो रहा था।

जानकारी के अनुसार तनिष्क अपने बड़े भाई अविनाश कर्ष के साथ तरदा स्थित हाई सेकेंडरी स्कूल की तीन मंजिला छत पर सोया हुआ था। देर रात अचानक संतुलन बिगड़ने से वह छत से नीचे गिर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद बड़े भाई अविनाश की रोने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के भाई अविनाश ने बताया कि वे दोनों तरदा गांव के निवासी हैं और स्कूल में चैकीदारी का काम करते हैं। सोमवार को दोनों भाई चैनपुर गांव में एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गए थे।

देर रात लौटने के बाद वे स्कूल की छत पर सोने चले गए। अविनाश के अनुसार, वह मोबाइल पर बात कर रहा था जबकि तनिष्क उसके पास सो रहा था। इसी दौरान अचानक गिरने की आवाज आई। जब उसने देखा तो उसका भाई नीचे गिर चुका था। वह तुरंत नीचे भागा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

4 करोड़ की ठगी, मध्यप्रदेश से तांत्रिक गिरफ्तार

राजनांदगांव। चटिया-मटिया और तंत्र-मंत्र के सहारे शेयर ट्रेडिंग के नाम पर रकम दोगुनी करने का झांसा देकर लगभग 4 करोड़ रूपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को पुलिस ने इंदौर मध्यप्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक मिलन सिंह से मिली जानकारी के अनुसार कोमल साहू ने 17 अक्टूबर 2025 को मानसिक तनाव के चलते जहर सेवन कर लिया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मर्ग जांच के दौरान मृतक के पास से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ तथा बैंक स्टेटमेंट व मोबाईल डेटा की गहन जांच की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी मोहम्मद अजीज खान ने मृतक को शेयर मार्केट में निवेश और तंत्र-मंत्र चटिया-मटिया के माध्यम से रकम दोगुना करने का लालच देकर लगभग 4 करोड़ रूपये की धोखाधड़ी की थी। रकम वापस न मिलने और कर्जदाताओं के दबाव के चलते कारण कोमल साहू अत्यधिक मानसिक तनाव में था, जिसके उसने आत्महत्या कर ली। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आरोपी की घेराबंदी कर उसे इंदौर मध्यप्रदेश से गत 3 अप्रैल को गिरफ्तार किया। आरोपी ने नगद और बैंक खातों के माध्यम से करोड़ों की राशि प्राप्त करना स्वीकार किया।

हाइपर क्लब में बवाल, अंजान युवती को हाय बोलने पर भिड़े दो पक्ष

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर के चर्चित हाइपर क्लब में बुधवार देर रात जमकर हंगामा हुआ। मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में मारपीट और झूमाझटकी में बदल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें युवक-युवतियों के बीच तीखी बहस और पुलिस के सामने धक्का-मुक्की साफ नजर आ रही है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार वीआईपी रोड स्थित हाइपर क्लब में युवक-युवतियों का एक समूह पहुंचा। क्लब में पार्टी के दौरान एक युवक ने पार्टी कर रही युवती को 'हाय' कहा। इस बात पर दूसरे पक्ष के युवकों ने विरोध जताया। इसी मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हुई, जो कुछ ही देर में हाथापाई में बदल गई।

इसी बीच किसी ने पुलिस को फोन कर दिया। पुलिस पहुंचते ही दोनों पक्ष बाहर निकल आए और पार्किंग में ही एक-दूसरे को गालियां देते हुए धक्का-मुक्की करने लगे। पुलिसकर्मियों के सामने ही युवक-युवतियां आपस में भिड़ते रहे। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है।

क्लबों में लगातार हो रहे विवाद

रायपुर में क्लब संचालन को लेकर पुलिस और आबकारी विभाग ने नियम तय किए हैं, फिर भी लगातार उल्लंघन सामने आ रहा है। समझाइश और कार्रवाई के बाद भी क्लब संचालक लेट नाइट पार्टियों का आयोजन कर रहे हैं।

पिछले दिनों भी लेट नाइट पार्टी के चलते वीआईपी रोड स्थित फर्जी कैफे में पुलिस ने रेड कर कार्रवाई की थी। इसके अलावा सेरीखेडी स्थित पियानो क्लब में एक इन्फ्लुएंसर ने युवतियों को शराब पिलाई थी, जिसका वीडियो वायरल हुआ था। अधिकारियों ने कहा था कि लेट नाइट पार्टी आयोजित करने वालों पर कार्रवाई होगी

पहले भी चल चुकी गोली

हाइपर क्लब में विवाद का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी क्लब में मारपीट और गोली चलने जैसी घटना हो चुकी है। हर घटना के बाद पुलिस अधिकारी क्लब संचालकों पर सख्ती करने की बात कहते है, लेकिन आय दिन इन क्लबों में रोज नया विवाद खड़ा हो रहा है।

जलाऊ लकड़ी से भरा मिनी ट्रक जब्त, चालक गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर में अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। विशेष अभियान के तहत करपावंड वन परिक्षेत्र में मंगलवार को अवैध लकड़ी परिवहन के मामले में वाहन सहित बड़ी मात्रा में लकड़ी जब्त की गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को ग्राम गारेंगा के बाजार चौक में वाहन चेकिंग के दौरान वन विभाग की टीम ने टाटा वाहन को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में महुआ और आम की मिश्रित जलाऊ लकड़ी के 7 चट्टे अवैध रूप से परिवहन करते पाए गए। वाहन चालक भवानी प्रसाद सूर्यवंशी,

निवासी देउरबाल (कोंडागांव), मौके पर लकड़ी परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए परिसर रक्षक तुलेश बघेल ने लकड़ी और वाहन को जब्त कर लिया। यह कार्रवाई भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं छत्तीसगढ़ अभिवहन (वनोपज) नियम 2001 के तहत की गई है।

जांजगीर-चांपा में इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर युवती से अनाचार

शादी का झांसा दिया फिर फरार था, अब पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

श्रीकंचनपथ समाचार

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र में इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर एक युवती से अनाचार का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी अनिकेत तांडे (20), निवासी सोनादुला,ने साल 2022 में इंस्टाग्राम के जरिए पीड़िता से संपर्क किया था। बातचीत के दौरान उसने खुद को एचडीएफसी बैंक का कर्मचारी बताया और युवती के परिजनों के सामने शादी का प्रस्ताव भी रखा।

फरार आरोपी लगातार लोकेशन बदल रहा था

इसी विश्वास का फायदा उठाकर आरोपी ने युवती को शादी का झांसा दिया और उसके साथ अनाचार किया। समय बीतने के बाद जब आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया और पीड़िता से दूरी बनाने लगा। इसके बाद पीड़िता ने थाना मुलमुला में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अपराध क्रमांक 116/2026 के तहत धारा 64(2)(एम) और 69 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान, पुलिस ने तकनीकी सबूतों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। घटना के बाद से आरोपी फरार था और लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। पुलिस को सूचना मिली कि वह रायपुर के हीरापुर क्षेत्र में छिपा हुआ है। मुलमुला पुलिस की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया।

हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस की अपील

पुलिस ने इस घटना के मद्देनजर सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले अपराधों के प्रति लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। विशेष रूप से युवाओं को अंजान व्यक्तियों से संपर्क करते समय सावधानी बरतने और किसी भी प्रकार के झांसे में न आने की सलाह दी गई है।

लिव-इन पार्टनर ने गला घोंटकर की महिला की हत्या

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी महिला साथी की हत्या कर दी। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी विकेश बरेठ को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने महिला की गला दबाकर हत्या करने के बाद साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया था।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी महिला साथी की हत्या कर दी। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी विकेश बरेठ को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने महिला की गला दबाकर हत्या करने के बाद साक्ष्य छिपाने का प्रयास किया था।

कोतरा सड़क पुलिस को 1 अप्रैल को धनेश्वरी विश्वकर्मा की संदिग्ध मौत की जानकारी मिली थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि महिला की मौत गला दबाने से हुई है। इसके बाद पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि धनेश्वरी का विवाह मनोज विश्वकर्मा से हुआ था। उनके तीन बच्चे हैं। लगभग चार वर्ष पहले वह पति से परेशान होकर मायके में रह रही थी। बाद में धनेश्वरी का परिचय विकेश से हुआ। वे करीब चार वर्ष से किरोडीमलनगर में पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। धनेश्वरी अक्सर बीमार रहती थी और विकेश उसका इलाज कराता था। उसके पति के साथ तलाक का प्रकरण चल रहा था।

विवाद का कारण

आरोपी विकेश बरेठ ने पुलिस को बताया कि धनेश्वरी के पति से तलाक नहीं होने के कारण वे विवाह नहीं कर पा रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। 1 अप्रैल को विकेश की नानी घर आई थीं। धनेश्वरी द्वारा समय पर खाना न बनाने पर विकेश ने उसे डांटा, जिसके बाद दोनों के बीच काफी झगड़ा हुआ।

मंगलसूत्र से हत्या और साक्ष्य छिपाने का प्रयास

आरोपी ने बताया कि उसने धनेश्वरी को एक-दो थप्पड़ मारे थे। धनेश्वरी ने घर जाने की बात कही तो विकेश ने पीछे से उसका मंगलसूत्र खींच लिया। इससे धनेश्वरी गिरकर बेहोश हो गई और उसकी मौत हो गई। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी ने मृत्यु का वास्तविक कारण छिपाने का प्रयास भी किया था, जिसके बाद कोतरा सड़क पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

रायपुर में 2 बाइक-सवारों से चाकू की नोक पर लूट

रायपुर। रायपुर के डीडी नगर इलाके में लूट की घटना को अंजाम देने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 2 अलग-अलग लूट की घटना में शामिल 2 युवकों को और नाबालिग को पकड़ा है। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए मोबाइल, घटना में इस्तेमाल करने वाले गाड़ी और चाकू जब्त किया है।

प्रार्थी निखिल शर्मा ने थाना डीडी नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 30 मार्च की रात करीब 1:30 बजे वे एक प्राइवेट हॉस्पिटल से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह रायपुरा ओवरब्रिज के पास पहुंचा, 3-4 अज्ञात युवकों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने चाकू दिखाकर उसे धमकाया और उसके गले में पहनी सोने की चेन, कैश, मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड लूटकर फरार हो गए।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने पीड़ितों से पूछताछ की, घटना स्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से जांच की। मुखबिर को भी सक्रिय किया गया।

पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अश्वनी नगर निवासी भूपेश कुमार साहू और आमापारा, बजरंग नगर निवासी हयांश उर्फ अयान पाल को गिरफ्तार किया है। वहीं, 3 नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया। पूछताछ में सभी ने लूट की दोनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

न्यायालय तहसीलदार भिलाई-3 के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202603101600039

विषय:- ब-121
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन् :- 2025-2026
भिलाई प.ह.न. 00004 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - मोहित राम,
अनावेदक पक्षकार -छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहित राम पिता जनक राम जाति गोड़ साकिन डबरापारा वार्ड 12 भिलाई 03 तहसील भिलाई 03 जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा प्रस्तुत कर आवेदन अपने पत्नी सहबीन बाई दिनांक 23.07.2006 स्थान डबरापारा में मृत्यु होना लेख करते हुए मृत्यु पंजीयन किसी भी जिले या स्थान में दर्ज नहीं होने से संबंधित विभाग में का पंजीयन कराने निर्देश आदेश देने हेतु निवेदन किया जाकर शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पार्षद प्रमाण पत्र, समाज प्रमुख में मृत्यु पंचनामा व प्रमाण पत्र एवं वित्त विभाग नामांकन प्रपत्र की फोटो कॉपी इस न्यायालय में पेश किया गया है। प्रकरण दर्ज।

अत: उक्त प्रकरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर लिखित रूप से इस न्यायालय में नियत दिनांक 13.04.2026 तक दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/04/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार भिलाई-3
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

महुआ शराब के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

जोंधरा। पचपेड़ी पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने ग्राम मनवा में घेराबंदी कर रेड मारी, जहां से चार आरोपियों को भारी मात्रा में महुआ शराब के साथ दबोचा गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गांव के कुछ व्यक्ति भारी मात्रा में शराब बिक्री के लिए रखे हुए हैं। कार्रवाई के दौरान आरोपी विशाल बंजारे और राजेन्द्र बंजारे के कब्जे से 15-15 लीटर (कुल 30 लीटर) कच्ची महुआ शराब बरामद की गई। वहीं, आरोपी जान कुमार बंजारे से 3 लीटर और कमल बंजारे से 3.240 लीटर शराब सहित बिक्री की नकदी जब्त की गई।

प्रमुख खबरें

शिवप्रकाश से मिले साय, दोहराया योजना से विकास का संकल्प

रायपुर/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के संयुक्त महासचिव (संगठन) शिवप्रकाश से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। श्री शिवप्रकाश के मार्गदर्शन से प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी। श्री साय ने कहा, 'हम संकल्पित हैं कि पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाकर छत्तीसगढ़ को और सशक्त एवं समृद्ध बनाएँगे।'

जनदर्शन का लाभ : दिव्यांग शशि बनीं स्वरोजगार की मिसाल

राजनांदगांव। बख्शी वार्ड क्रमांक 4, नया ढाबा निवासी दिव्यांग शशि बंजारे ने कलेक्टर जनदर्शन में स्वरोजगार के लिए आवेदन किया था। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने मामले में तत्परता दिखाते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को आवश्यक जांच कर ऋण स्वीकृत करने के निर्देश दिए। छत्तीसगढ़ महिला कोष योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण राशि से सुश्री बंजारे ने सिलाई मशीन खरीदी और 'श्रृष्टि लेडिस टेलर एवं सिलाई सेंटर' के नाम से अपना व्यवसाय प्रारंभ किया। आज वे आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपनी आजीविका चला रही हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा भी बन रही हैं। उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल से उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। राजनांदगांव जिले में कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जा रहा है, जिससे जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल सके।

बिहान : औराटोला बना बालोद जिले का पहला लखपति दीदी गांव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़कर उनके परिवार की वार्षिक आय 01 लाख रूपये या उससे अधिक करने में सक्षम बनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। जिसके तहत् बालोद जिले में 20,982 लखपति दीदी बनायी गई है।

इसके विस्तृत स्वरूप में लखपति ग्राम की अवधारणा भी विकसित की गई है जो कि ग्रामीण विकास की एक ऐसी दूरदर्शी सोच है, जिसके केंद्र में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आर्थिक उन्नति है। बालोद जिले में इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गाँव का प्रत्येक परिवार सालाना कम से कम 01 लाख रुपये या उससे अधिक की शुद्ध आय अर्जित कर सके।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। लखपति ग्राम का लक्ष्य केवल गरीबी रेखा से बाहर निकलना नहीं है बल्कि ग्रामीण परिवारों को 'लखपति दीदी' के रूप में विकसित करके उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। यह स्थायी आजीविका और बेहतर जीवन स्तर पर केंद्रित है जिसके तहत् बहुआयामी आजीविका स्त्रोत को प्राथमिकता दी गई जिसमें एक परिवार केवल एक स्त्रोत जैसे सिर्फ खेती पर निर्भर रहकर लखपति नहीं बन सकता। इसके लिए 3-4 विभिन्न आय के स्त्रोतों को अपनाया गया है।

उन्नत कृषि अंतर्गत जैसे बेमौसमी सब्जियाँ, नकदी फसलें और जैविक खेत, पशुपालन अंतर्गत डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन या मत्स्य पालन, गैर कृषि उद्यम अंतर्गत मशरूम उत्पादन, सिलाई या छोटे ग्रामीण उद्योग, कौशल विकास अंतर्गत प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत तकनीकी प्रशिक्षण शामिल है।

इस अवधारणा को धरातल पर उतारने के लिए 'आजीविका सखियों' और 'पशु सखियों' की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जो घर-घर जाकर महिलाओं को तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। औराटोला गाँव ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि सही मार्गदर्शन और दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो सामूहिक प्रयास से गरीबी को मात दी जा सकती है।

औराटोला की सफलता के पीछे बिहान योजना और महिलाओं की अटूट मेहनत है। गाँव में अब दर्जनों ऐसी महिलाएं हैं जिनकी वार्षिक आय 01 लाख रुपये से अधिक है। महिलाओं ने खाली पड़ी जमीनों पर उन्नत किस्म की सब्जियाँ उगाना शुरू किया, उन्नत नस्ल के पशु और वैज्ञानिक तरीके से देखरेख करना, गाँव में उन महिलाओं का समूह बनाया गया जो अन्य महिलाओं को भी आर्थिक नियोजन सिखाती हैं।

कुमेश्वरी मसिया ने बताया कि उसने प्रेरणा स्वयं सहायता समूह से जुड़कर मत्स्य विभाग से मत्स्य पालन का प्रशिक्षण लिया। समूह के माध्यम से 50 हजार रूपये का ऋण लिया और तालाब की सफाई करवाकर रोहू और कतला मछलियों के बीज डाले। डिसमिल पैतृक भूमि 20 में सब्जी बाड़ी का कार्य प्रारंभ किया। मत्स्य विभाग द्वारा मछली जाल एवं आईस बॉक्स प्रदाय किया गया। आज कुमेश्वरी की वार्षिक शुद्ध आय 01 लाख 17 हजार रूपये तक पहुँच गई है।

बिहान योजना के तहत अटल महिला स्व-सहायता समूह के अध्यक्ष लाकेश्वरी दीदी बताती है कि समूह के 10 सदस्यों ने फाईल पैड बनाने का प्रशिक्षण लिया और बिहान के माध्यम से 1 लाख रूपये बैंक ऋण एक छोटी यूनिट स्थापित किया। फाईल पैड विक्रय हेतु केवल शहर पर निर्भर रहने के बजाय आसपास के लोकल बुक डिपो, एवं शासकीय कार्यालय में कम कीमत पर फाईल पैड उपलब्ध कराना शुरू किया। अच्छी गुणवत्ता और कम दाम के कारण मांग बढ़ गई इस प्रकार सभी खर्च निकालने पर प्रत्येक माह सभी सदस्य 7 से 8 हजार रूपये अर्जित कर रही है।

प्रेरणा स्व-सहायता समूह की लोकेश्वरी साहू ने पशु पालन हेतु 'पशु सखी' से प्रशिक्षण लिया और बिहान के माध्यम से 1 लाख का ऋण लेकर दो उन्नत नस्ल की जर्सी गायें खरीदीं। उन्होंने पारंपरिक चारे के बजाय 'अजोला' और संतुलित पशु आहार का उपयोग शुरू किया। लोकेश्वरी ने आरसेटी के माध्यम से सिलाई प्रशिक्षण लेकर सिलाई कार्य प्रारंभ की एवं कृषि विज्ञान केन्द्र अरौद से मशरूम का प्रशिक्षण प्राप्त कर मशरूम उत्पादन प्रारंभ किया। लोकेश्वरी बताती है कि बचे हुए दूध से खोवा और पनीर बनाना भी सीखा, जिससे मुनाफा दोगुना हो गया। अब उनकी मासिक आय 11 हजार रूपये से ऊपर हो गई। साल भर में 2 लाख 60 हजार रूपये से अधिक कमा रही हैं।

जिला पंचायत के सीईओ सुनील कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन तथा कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशन में बिहान टीम के साथ इस लखपति पहल की मुहिम को जिले में पूरी सक्रियता से आगे बढ़ाया जा रहा है। माइक्रो लेवल पर इसके क्रियान्वयन एवं मैन्युअल तथा डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित् की गई है। अभी तक जिले में 26 हजार लक्ष्य के विरूद्ध 20 हजार 982 दीदीयों को लखपति श्रेणी में लाया जा चुका है।

आसान ऋण और सही मार्गदर्शन से सच हुआ सपना

बालोद जिले में लखपति ग्राम की सफलता हेतु प्रत्येक परिवार की वर्तमान आय और भविष्य के लक्ष्यों के आधार पर 'आजीविका योजना' तैयार करायी गयी है। वित्तीय समावेशन के माध्यम से कम ब्याज पर बैंक ऋण 4054 एसएचजी को 114 करोड़ ऋण प्रदाय किया गया है। वूमेन लेड इंटरप्राईज फायनेंस के तहत् 801 एसएचजी को 10 करोड़ का ऋण दिया गया है। उत्पादित वस्तुओं को क्षेत्रीय सरस मेला, स्थानीय बाजार एवं शासकीय कार्यालय में स्टॉल लगाकर विक्रय किया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों और ग्राम संगठनों के माध्यम से सामूहिक शक्ति का उपयोग कर एक तंत्र का निर्माण किया गया है। बालोद जिले के लिए यह गौरव का विषय है कि डौंडी विकासखंड का औराटोला गाँव जिले का प्रथम 'लखपति ग्राम' बनकर उभरा है।

बिहान योजना : मजदूरी छोड़कर सविता ने खोल लिया अपना सिलाई सेंटर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जहां चाह-वहां राह, इस युक्ति को चरितार्थ किया है सविता ने, मुंगेली जिले के पथरिया विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम अमलडीहा निवासी सविता यादव आज स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल बन गई हैं। कभी आर्थिक तंगी और कर्ज के बोझ से जूझने वाली सविता यादव आज अपने हुनर और मेहनत के दम पर सशक्त जीवन जी रही हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण के साथ ही सविता यादव के जीवन में कई सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। अब वे अपने परिवार की जरूरतों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं, बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी बेहतर ध्यान दे रही हैं। समूह में उनके सक्रिय योगदान और उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए वे वर्तमान में

आरबीके के पद पर भी कार्यरत हैं।

सविता यादव ने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले उनकी आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। परिवार की आजीविका मजदूरी पर निर्भर थी और सीमित आय के कारण घर की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो जाता था। मजबूरी में उन्हें गांव के साहूकारों से ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ता था, जिससे वे कर्ज के जाल में फंसी रहती थीं। बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतें भी प्रभावित होती थीं। सविता यादव के जीवन में सकारात्मक बदलाव तब आया, जब वे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत गौरी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने बचत, बैंकिंग और वित्तीय प्रबंधन के महत्व को समझा। उन्हें रिवॉल्विंग फंड, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड तथा बैंक लिंकेज के माध्यम से आसान शर्तों पर ऋण प्राप्त हुआ।

प्राप्त ऋण राशि का सदुपयोग करते हुए सविता यादव ने अपने गांव में सिलाई सेंटर की शुरुआत की। अपने कौशल और मेहनत के बल पर उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाया और धीरे-धीरे उनकी आय में वृद्धि होने लगी। जहां पहले उनकी मासिक आय लगभग 10 हजार रुपये थी, वहीं अब बढ़कर 40 हजार रुपये तक पहुंच गई है। सविता यादव आज न केवल खुद आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत बन गई हैं।

पोषण पखवाड़ा : जीवन के प्रथम छह वर्षों में होता है मस्तिष्क विकास, इसलिए पोषण जरूरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 9 से 23 अप्रैल 2026 तक देशभर में आठवें 'पोषण पखवाड़ा-2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष का विषय जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना रखा गया है, जो बच्चों के शुरुआती वर्षों में पोषण, देखभाल और शिक्षा के महत्व को रेखांकित करता है।

इस राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत 9 अप्रैल को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में की जाएगी, जिसमें राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर एवं सचिव अनिल मलिक की उपस्थिति रहेगी।

छत्तीसगढ़ में भी इस राष्ट्रीय अभियान के अनुरूप राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की शुरुआत की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी जिलों के

आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से व्यापक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें माताओं, बच्चों, परिवारों और समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पोषण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा है कि एक स्वस्थ बच्चा एक मजबूत राष्ट्र की नींव होता है। उन्होंने 'पोषण अभियान' को जन आंदोलन बताते हुए प्रत्येक मां और बच्चे तक समुचित पोषण पहुंचाने का आह्वान किया है।

पोषण पखवाड़ा-2026 के तहत विशेष रूप से मातृ एवं शिशु पोषण, जन्म से 3 वर्ष तक के बच्चों में मस्तिष्क विकास हेतु प्रारंभिक प्रोत्साहन, 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए खेल-आधारित शिक्षा, स्क्रीन टाइम में कमी और आंगनबाड़ी केंद्रों को सामुदायिक सहयोग से सशक्त बनाने पर फोकस किया जाएगा। वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार, बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है, जिससे इन वर्षों में पोषण और देखभाल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

नक्सल पुनर्वास योजना : हथियार छोड़कर जो पकड़ा औजार, जागी उम्मीद, बदली जिन्दगी की दिशा-दशा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की मार्ग अपनाया था, अब वहीं हाथ अपने हुनर का कमाल दिखा रहे हैं। भानुप्रतापपुर के पास ग्राम चौगेल के पुनर्वास केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा हुनर दिखाते हुए काष्ठ कला से नेम प्लेट, छत्तीसगढ़ शासन का 'लोगो', ग्राम पंचायतों के लिए बोर्ड, बच्चों के लिए की-रिंग सहित अन्य सजावटी सामग्री तैयार की जा रही है, साथ ही कपड़े का थैला, कार्यालयों के लिए बस्ता भी तैयार किया जा रहा है।

सरकार द्वारा घोषित नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन कांकेर द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों को कुशल और दक्ष बनाने का सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यहां पर उन्हें काष्ठशिल्प के साथ ही इलेक्ट्रिशियन, ड्रायविंग, सिलाई, राजमिस्त्री जैसे पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कभी नक्सली गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियॉ अब विभिन्न व्यवसाय में दक्ष हो रहे हैं, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के बाद आजीविकामूलक गतिविधियों से जुड़कर सम्मानपूर्वक जीवन निर्वाह कर सकें।

कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां जैसे कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है।

चौगेल पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, इलेक्ट्रिशियन, वाहन चालक के साथ ही कांकेर में घुड़सवारी का भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वर्तमान में सिलाई मशीन, काष्ठ शिल्प एवं असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। स्वरोजगार के लिए सशक्त बनाने हेतु कृषि विभाग, मत्स्य पालन विभाग, उद्यानिकी, पशुधन विकास विभाग के साथ 'बिहान' के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया है।

मुख्यधारा में लौटे माओवादियों की शिक्षा-मनोरंजन पर भी ध्यान

वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। शासन द्वारा नक्सल मुक्त बस्तर घोषित किया जा चुका है। हिंसा की राह त्यागकर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को सरकार कौशल विकास का प्रशिक्षण दे रही है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर सकें। आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत भानुप्रतापपुर विकासखंड के पास ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैम्प में विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कभी बीएसएफ का कैम्प रहा चौगेल (मुल्ला) का यह कैम्प अब हुनर सिखाने वाला गढ़ बन चुका है। यहां पर जिला प्रशासन द्वारा मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग - अलग पाठयक्रमों जैसे- काष्ठ शिल्प, इलेक्ट्रिशियन, सिलाई, ड्राइविंग, राजमिस्त्री इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, साथ ही उनकी शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दी जा रही है। पढ़ने के लिए पाठ्य सामग्री, पुस्तकें, पेन-पेंसिल दिए गए हैं तथा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की व्यवस्था भी की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों का नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाईयां भी दी जाती हैं।

बड़ी उपलब्धि : प्रशिक्षण पश्चात नियोजन उपलब्ध कराने वाला पहला जिला बन गया कांकेर

पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण उपरांत नक्सली पीड़ित एवं आत्मसमर्पित नक्सलियों को रोजगार से जोड़ने वाला कांकेर पहला जिला बन गया है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने तीन नक्सली पीड़ित और एक आत्मसमर्पित नक्सली को निजी क्षेत्र में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र सौंपा, इनमें पुनर्वासित सगनूराम आंचला एवं नक्सल पीड़ित रोशन नेताम, बीरसिंह मंडावी और संजय नेताम शामिल थे। इन सभी को निजी फर्म का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया, जहां उन्हें 15 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय और अन्य वित्तीय सुविधाएं प्राप्त होंगी। इन्होंने चौगेल कैम्प में असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। मुख्यधारा में लौटकर प्रशिक्षण के उपरांत रोजगार प्रदान करने के मामले में उत्तर बस्तर कांकेर पहला जिला है। निजी क्षेत्र में नौकरी मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए माओवाद पीड़ित बीरसिंह मंडावी ने कहा कि ग्राम मुल्ला (चौगेल) के कैम्प में पुनर्जीवन मिला है, जहां नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल एवं पारंगत बनाया गया, वहीं प्रशिक्षण के बाद जिला प्रशासन द्वारा रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासकीय नर्सरी में 2.8 करोड़ औषधीय पौधे तैयार, बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। औषधीय पौधों की खेती किसानों के लिए कम लागत में अधिक मुनाफा का एक बेहतरीन विकल्प है, जिससे ग्रामीण समृद्धि आ रही है। वन विभाग द्वारा किसानों को खेती के लिए नि:शुल्क पौधे वितरित जा रहे हैं, वहीं घरों की बाड़ी और शहरी क्षेत्रों में हर्बल गार्डन विकसित करने के लिए भी नि:शुल्क पौधों का वितरण किया जा रहा है। इसके साथ ही वन क्षेत्रों में भी इन पौधों का रोपण किया गया है, जिससे हरियाली और जैव विविधता को बढ़ावा मिल रहा है। सरकार सब्सिडी, प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान कर इस क्षेत्र को बढ़ावा दे रही है।

वन विभाग अंतर्गत छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड की पहल से प्रदेश में औषधीय पौधों

के उत्पादन और उपयोग को नई दिशा मिली है। वर्ष 2025-26 में बोर्ड ने राज्य की 11 नर्सरियों के माध्यम से 9 प्रकार के औषधीय पौधों के लगभग 2.8 करोड़ पौधे तैयार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि के लिए बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम और उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला को बधाई दी है।

औषधि पादप बोर्ड ने इन पौधों में वच, ब्राह्मी, सतावर, गुंजा, अनंतमूल, मंडूकपर्णी, स्टीविया, कुलंजन और सर्पगंधा जैसे उपयोगी औषधीय पौधे शामिल हैं। इनका उपयोग स्वास्थ्य, आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जा रहा है। बोर्ड द्वारा तैयार किए गए ये पौधे विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाए जा रहे हैं। इस कार्य में बोर्ड से जुड़े अशासकीय संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन संस्थाओं ने नर्सरियों में पौधे तैयार कर समय पर विभिन्न योजनाओं के लिए उपलब्ध कराए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950